हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

www.cuhimachal.ac.in

सर्टिफिकेट/स्नातक/स्नातकोत्तर
पाठ्य कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु
विवरणिका 2016–17

Prospectus 2016-17

for Admission to
Certificate/UG/PG Programmes

श्री प्रणब मुखर्जी **महामहिम भारत के राष्ट्रपति** **विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष**
श्री अरुण मायरा **विश्वविद्यालय के कुलाधिपति**
प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री **कुलपति**
प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, प्रति-कुलपति **अधिष्ठाता**, जैविक विज्ञान स्कूल
प्रो. हंसराज शर्मा **अधिष्ठाता**, समाज विज्ञान स्कूल एवं **अधिष्ठाता**, छात्र कल्याण
प्रो.आई.वी.मल्हन **अधिष्ठाता,** गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल
डॉ. दीपक पंत **अधिष्ठाता,** पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल
डॉ. रोशन लाल शर्मा **अधिष्ठाता**, मानविकी एवं भाषा स्कूल एवं प्रॉक्टर
डॉ.ओ.एस.के.एस.शास्त्री **अधिष्ठाता,** भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल
डॉ. संजीव गुप्ता **अधिष्ठाता,** व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल
डॉ. मनोज सक्सेना **अधिष्ठाता,** शिक्षा स्कूल
डॉ.आशुतोष प्रधान **अधिष्ठाता,** ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल
डॉ. प्रदीप नायर **अधिष्ठाता,** पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल
ब्रिग.जगदीश चंद रांगड़ा, वाई.एस.एम. (सेनि) **कुलसचिव**
श्री बी. आर. धीमान **वित्तअधिकारी**
डॉ. संजीव शर्मा **परीक्षा नियंत्रक**

Shri Pranab Mukherjee His Excellency, The President of India The Visitor of the University
Shri Arun Maira The Chancellor
Prof. Kuldeep Chand Agnihotri The Vice Chancellor
Prof. Yoginder S. Verma, Pro Vice-Chancellor Dean, School of Life Sciences
Prof. Hans Raj Sharma Dean, School of Social Sciences & Dean, Students' Welfare
Prof. I.V. Malhan Dean, School of Mathematics, Computers & Information Sciences
Dr. Deepak Pant Dean, School of Earth & Environmental Sciences
Dr. Roshan Lal Sharma Dean, School of Humanities and Languages & Proctor
Dr. O.S.K.S. Sastri Dean, School of Physical and Material Sciences
Dr. Sanjeev Gupta Dean, School of Business and Management Studies
Dr. Manoj Saxena Dean, School of Education
Dr. Asutosh Pradhan Dean, School of Fine Arts and Art Education
Dr. Pradeep Nair Dean, School of Journalism, Mass Communication and New Media
Brig. Jagdish Chand Rangra, YSM (Retd) The Registrar
Sh. B. R. Dhiman The Finance Officer
Dr. Sanjiv Sharma The Controller of Examinations

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

पोस्टबॉक्स 21, धर्मशाला,जिला-कांगड़ा,
हिमाचलप्रदेश, भारत - 176215

वेबसाइट/ Website : www.cuhimachal.ac.in
ईमेल / Email : askus.cuhimachal@gmail.com

PO Box 21, Dharamshala, District Kangra,
Himachal Pradesh [India] - 176215

सर्टिफिकेट / स्नातक / स्नातकोत्तर
पाठ्यकार्यक्रमोंमेंप्रवेशहेतु

विवरणिका 2016-17

PROSPECTUS 2016-17

FOR ADMISSION TO
CERTIFICATE/UG/PG PROGRAMMES

स्मरण योग्य तिथियां

कार्यक्रम	तिथियां	
	सर्टिफिकेट / स्नातक पाठ्य कार्यक्रमों हेतु	स्नातकोत्तर पाठ्य कार्यक्रमों हेतु
विवरणिका जारी होने की तिथि	07 मई, 2016	07 मई, 2016
आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि	06 जून, 2016	06 जून, 2016
फीट (**FEAT**) प्रवेश परीक्षा की तिथि और समय ; केवल स्नातकोत्तर (पीजी) अध्ययन कार्यक्रम के लिए	----------	26 जून, 2016 पूर्वाह्न 10:00 बजे
चयनित अभ्यर्थियों की प्रथम सूची की घोषणा (प्रतीक्षा–सूची के साथ)	15 जून, 2016	21 जुलाई, 2016
फीस जमा करने की अंतिम तिथि	23 जून, 2016	25 जुलाई, 2016
चयनित अभ्यर्थियों की द्वितीय सूची की घोषणा (प्रतीक्षा–सूची के साथ)	24 जून, 2016	25 जुलाई, 2016 (रात्रि 08:00 बजे)
फीस जमा करने की अंतिम तिथि	30 जून, 2016	28 जुलाई, 2016
चयनित अभ्यर्थियों की तृतीय सूची की घोषणा	01 जुलाई, 2016	29 जुलाई, 2016
फीस जमा करने की अंतिम तिथि	06 जुलाई, 2016	01 अगस्त, 2016
• दस्तावेजों का सत्यापन • पंजीकरण • कक्षाओं की शुरुआत • अभिमुखी (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम	01 अगस्त, 2016	01 अगस्त, 2016

महत्वपूर्ण

सर्टिफिकेट / यूजी अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश 10+2 परीक्षा की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा ।

आर.डी.(एम.फिल /पीएच.डी.) संबंधी अध्ययन कार्यक्रमों की घोषणा बाद में की जाएगी ।

कृपया ध्यान दें ...

- फीट (**FEAT**) प्रवेश परीक्षा हेतु हॉल टिकट
  - पोस्ट किया जाएगा
  - इसे अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब), शाहपुर कार्यालय से व्यक्तिगत तौर पर प्राप्त किया जा सकता है
- फीट (**FEAT**) प्रवेश परीक्षा संबंधी सूचनाएं, प्रवेश परीक्षा के केंद्र, चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची / प्रतीक्षा सूची केवल निम्नलिखित स्थानों पर प्रदर्शित की जाएगी :
  - विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in)
  - परीक्षा नियंत्रक, टैब, शाहपुर का नोटिस बोर्ड
  - कैम्प ऑफिस, धर्मशाला का नोटिस बोर्ड
  - संबंधित स्कूल / विभाग / अध्ययन केंद्र का नोटिस बोर्ड

fo"k; lwph

शीर्षक	पृष्ठ
कुलपति की ओर से संदेश	
विश्वविद्यालय के बारे में	1
विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र	3
विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं	6
अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) में अकादमिक संसाधन	10
संकाय सदस्य एवं बौद्धिक संसाधन	11
आयोजन एवं क्रियाकलाप	13
सह–पाठ्यचारी एवं पाठ्येतर कार्यकलाप	15
समर्थनकारी सेवाएं	15
स्नातक / स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों की विशिष्टताएं	16
2016–17 में प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रम	21
स्नातक / स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता शर्तें	23
शोध अध्ययन कार्यक्रमों अर्थात एम.फिल/ पी.एच.डी में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता शर्तें	24
प्रवेश हेतु चयन के मानदंड	25
आरडी (एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम)	25
आवेदक जो प्रवेश की पात्रता नहीं रखता	26
प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया	27
प्रवेश में सीटों का आरक्षण	27
विदेशी नागरिकों/अनिवासी भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों का प्रवेश–अधिसंख्य सीट	28
प्रवेश औपचारिकताओं का पूरा करना	29
प्रवेश से संबंधित सामान्य नियम	30
प्रवेश परीक्षा केन्द्र	31
शैक्षणिक कैलेंडर 2016–17	32
सर्टिफिकेट /यूजी / पीजी कार्यक्रम के शुल्क / छात्रावास शुल्क	33
स्मरणीय बातें	34
फीट परीक्षा के घटक	70
फीट परीक्षा 2016 का विषयवार सिलेबस	70
सर्टिफिकेट / यूजी कार्यक्रम 2016–17 के आवेदन फार्म	
पीजी कार्यक्रम 2016–17 के आवेदन फार्म एवं हॉल टिकट	
प्रवेश / पंजीकरण के समय जमा कराए जाने वाले मूल दस्तावेज	
पुरूष / महिला छात्रावास फार्म	
ओबीसी श्रेणी के अन्तर्गत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रमाण–पत्र फार्मेट	
एससी/एसटी श्रेणी के अन्तर्गत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रमाण–पत्र फार्मेट	

कुलपति की ओर से संदेश

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला धीरे-धीरे अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है, यह प्रसन्नता का विषय है। भारत में उच्च शिक्षा और शोध की प्राचीन काल से ही समृद्ध परम्परा रही है। जिन दिनों विश्व के अन्य महाद्वीप ज्ञान की प्रारम्भिक अवस्था में थे, उन दिनों भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय स्थापित हो चुके थे। इन विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए सुदूर क्षेत्रों के विद्यार्थी आते थे। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाना चाहिए कि अरबों, तुर्कों, ईरानियों और मुगलों के आक्रमणों ने देश में ज्ञान- विज्ञान की इस समृद्ध परम्परा को अवरुद्ध ही नहीं किया बल्कि पुस्तकालयों में पड़ी असंख्य पांडुलिपियों को भी आग के हवाले कर दिया। कालांतर में जब अंग्रेजों ने इस देश पर कब्जा कर लिया तो उन्होंने अपने प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा पद्धति विकसित की और उसी के अनुसार यहाँ प्रारंभिक विश्वविद्यालयों की स्थापना की। इन विश्वविद्यालयों में ज्ञान और विज्ञान की पहल यूरोपीय जगत के हाथों में आ गयी और कालांतर में उसी का अनुसरण किया जाने लगा।

यह प्रसन्नता का विषय है कि भारत सरकार ने विदेशी आक्रमणकारियों के कारण ज्ञान परम्परा के अविरल प्रवाह में पड़े व्यवधान की कड़ियों को फिर से जोड़ने के प्रयास किये हैं। नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार इसका प्रमाण है।

मेरी इच्छा है कि पूर्वकाल में पश्चिमोत्तर के तक्षशिला विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने का प्रयास हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में होना चाहिए। यह विश्वविद्यालय केवल भारत में ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों के बीच भी ज्ञान-विज्ञान की संवाद रचना के लिए व्यास आसन बने, यही मेरी कामना है। इसके लिए विश्वविद्यालय से जुड़े सभी छात्रों और अध्यापकों को मिलकर भागीरथ प्रयास करना होगा और उन्ही उच्च परम्पराओं का अनुसरण और उनके अनुरूप आचरण भी करना होगा।

सभी के सहयोग से हम अपनी इस यात्रा में सफल होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

(कुलदीप चंद अग्निहोत्री)

विश्वविद्यालय के बारे में

प्रारंभ

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2007 को राष्ट्र को दिए अपने भाषण में उन प्रत्येक राज्यों में एक–एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी, जहाँ अब तक कोई केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं हैं । तत्पश्चात् 11वीं योजना में 16 नवीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए प्रावधान किया गया । तदनुसार, अन्य विश्वविद्यालयों के साथ हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25), जिस पर राष्ट्रपति की सहमति 20 मार्च, 2009 को प्राप्त हुई, अधिनियमित किया गया ।

विश्वविद्यालय की स्थापना

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25) के अंतर्गत किया गया है। यह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निधिबद्ध और विनियमित है । यह विश्वविद्यालय 20 जनवरी, 2010 को प्रथम कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कार्यशील हो गया ।

विश्वविद्यालय का विज़न

यद्यपि विश्वविद्यालय की अपनी अवसंरचना के विकास में कुछ समय लग सकता है, तथापि विश्वविद्यालय ने शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श से एक महत्वाकांक्षी विज़न दस्तावेज विकसित किया है । विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा यथा अनुमोदित विज़न दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर उपलब्ध है। तदनुसार, कालक्रम में विश्वविद्यालय के नवोन्नत परिसर बनकर तैयार होगा, जिनमें 17 अध्ययन स्कूलों के अन्तर्गत लगभग 90 अध्ययन विभाग और लगभग 50 अध्ययन केन्द्र होंगे ।

अवस्थिति एवं मुख्यालय

धर्मशाला एक महत्वपूर्ण स्थान है और यह पूरे विश्व में प्रसिद्ध है । इस स्थान की शांत अवस्थिति, मनोरम जलवायु और आध्यात्मिक वातावरण शैक्षणिक कार्य के अनुकूल एक आकर्षक परिवेश प्रदान करती है ।

स्थायी परिसर

राज्य सरकार द्वारा सभी दृष्टियों से विल्लंगम रहित भूमि उपलब्ध कराए जाने के बाद विश्वविद्यालय का/के परिसर स्थापित होगा/होंगे ।

अस्थायी परिसर

विश्वविद्यालय के अपनी अवसंरचना और स्थायी परिसर(रों) के अभाव में विश्वविद्यालय निम्नलिखित स्थानों से अपना कार्य–संचालन कर रहा है:

कैंप कार्यालय

विश्वविद्यालय का कैंप कार्यालय इस समय धर्मशाला, जिला काँगड़ा में संस्कृति सदन (राइटर्स होम) में (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास) स्थित है । इस कैंप कार्यालय में कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी के कार्यालय स्थित हैं ।

अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब)

विश्वविद्यालय का अस्थायी शैक्षणिक खंड शाहपुर, जिला कांगड़ा में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आबंटित नवनिर्मित कॉलेज भवन में है । इसी प्रयोजनार्थ निर्मित यह खंड एक आकर्षक स्थान पर एक भव्य तीन मंजिले भवन में स्थित है । कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, संकाय सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यहां शिक्षण कार्य हेतु पर्याप्त स्थान है । भवन के इर्द–गिर्द विस्तृत खुला स्थान खेलकूद आदि सुविधाएं के लिए पर्याप्त है । विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम इसी अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) से संचालित किए जा रहे हैं ।

छात्रावास

विश्वविद्यालय का कोई अपना स्थायी छात्रावास नहीं है । तथापि, दूर–दराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों की सहायता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कांगड़ा में छात्रों के लिए और शाम नगर, धर्मशाला में छात्राओं के लिए छात्रावास किराए पर लिए गए भवनों में चलाए जा रहे हैं ।

पुरूषों के लिए अस्थायी छात्रावास

किराए पर लिया गया पुरुष छात्रावास का भवन इसी प्रयोजनार्थ निर्मित है और इसमें विश्वविद्यालय के लगभग 110 विद्यार्थियों के लिए स्थान है । दो/तीन बिस्तरों से युक्त कमरों के साथ इसमें रसोई और भोजनकक्ष की भी व्यवस्था है । हॉस्टल मेस को वार्डेन और प्रोवोस्ट के पर्यवेक्षण में छात्रावासी विद्यार्थियों द्वारा सहकारी आधार पर चलाया जाता है । जो विद्यार्थी छात्रावास में रहना चाहते हैं उन्हें हास्टेल मेस का सदस्य बनना होता है और परिवहन की व्यवस्था स्वयं करनी होती है । तथापि, वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावासी विद्यार्थियों और कांगड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों से टैब, शाहपुर आने वाले विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके लिए उन्हें 500/– रुपए प्रतिमाह की टोकन बस कूपन फीस का भुगतान करना होता है ।

महिलाओं के लिए अस्थायी छात्रावास

विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के लिए छात्रावास हेतु शाम नगर,

धर्मशाला में एक भवन को किराए पर लिया गया है । यहां इसी प्रयोजनार्थ सुविधाएं विकसित की गई हैं और इसमें विश्वविद्यालय की लगभग 60 छात्राएं रह सकती हैं । विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावासी छात्राओं के लिए छात्रावास से टैब, शाहपुर तक के आवागमन की परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है । तथापि, परिवहन सुविधा का उपयोग करने के लिए उन्हें 500/– रुपए प्रतिमाह की टोकन बस कूपन फीस का भुगतान करना होता है।

पहुँचने के मार्ग व साधन

- कैंप कार्यालय, धर्मशाला कांगड़ा एयरपोर्ट गगल से 12 किमी. और पठानकोट से 90 किमी. की दूरी पर स्थित है ।
- हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) मंडी–पठानकोट राजमार्ग पर धर्मशाला से लगभग 30 किमी. की दूरी पर स्थित है । टैब, शाहपुर कांगड़ा एयरपोर्ट गगल से लगभग 16 किमी. और पठानकोट रेलवे स्टेशन से लगभग 60 किमी. की दूरी पर स्थित है । पठानकोट से धर्मशाला, मनाली, मंडी, बैजनाथ और शिमला जाने वाली सभी बसें टैब, शाहपुर से गुजरती हैं ।

रैगिंग–निषेध संबंधी चेतावनी / WARNING REGARDING ANTI-RAGGING

विश्वविद्यालय में रैगिंग के प्रति शून्य सहनशीलता है । विश्वविद्यालय भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों, जो यूजीसी द्वारा [यूजीसी अधिनियम,1956 की धारा 26 (1) के अंतर्गत], भारत के राजपत्र (भाग–III–खंड, 4 जुलाई, 2009) में यथाअधिसूचित और प्रकाशित "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के अधिनियम, 2009" का पूर्ण अनुपालन करता है ।

There is zero tolerance for Ragging in this University. The University fully complies with the guidelines given by Hon'ble Supreme Court of India as notified by the UGC in "UGC Regulation on curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009" [Under Section 26(1) (g) of The UGC Act, 1956] published in the Gazette of India, (Part- III- Sec 4, July 4, 2009).

विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय में निम्नांकित स्कूल / विभाग / अध्ययन केंद्र एवं अध्ययन कार्यक्रम होंगे और कालक्रम में इनमें से प्रत्येक को चरणबद्ध ढंग से आरंभ किए जाएंगे:

क्रम.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय/विभाग	स्कूल के केन्द्र
परिनियमों एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत पहले ही अनुमोदित स्कूल/महाविद्यालय/विभाग/केन्द्र			
1	चिकित्सा विज्ञान स्कूल	▪ चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय ▪ दंत चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय	
2	स्वास्थ्य एवं सम्बद्ध विज्ञान स्कूल	▪ नर्सिंग एवं रोगी देखभाल विभाग ▪ शारीरिक चिकित्सा विभाग ▪ पुनर्वास विज्ञान विभाग ▪ भैषज विज्ञान विभाग ▪ रोग विज्ञान एवं नैदानिक विज्ञान विभाग ▪ पोषण एवं आहार प्रौद्योगिकी विभाग	▪ अपराध विज्ञान एवं न्यायिक विज्ञान केन्द्र ▪ चिकित्सालय एवं स्वास्थ्यरक्षण प्रबंधन केन्द्र
3	अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल	▪ सिविल एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी विभाग ▪ विद्युत अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी विभाग ▪ इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग ▪ यांत्रिकी एवं वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग ▪ रसायनिक अभियांत्रिकी एवं रसायनिक प्रौद्योगिकी विभाग ▪ कंप्यूटर अभियांत्रिकी एवं रोबोटिक्स विभाग ▪ भैषज प्रौद्योगिकी विभाग ▪ जैव प्रौद्योगिकी एवं जीनोम विभाग	▪ नवोत्पन्न प्रौद्योगिकियां एवं नवप्रवर्तन केन्द्र ▪ भूकंप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केन्द्र ▪ कौशल विकास एवं सामुदायिक पॉलीटेक्निक केन्द्र
4	भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल	▪ भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग ▪ माईक्रोवेव एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग ▪ रसायन एवं रासायनिक विज्ञान विभाग ▪ नैनोविज्ञान एवं पदार्थ विभाग	▪ ऊर्जा अध्ययन केन्द्र ▪ भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान में विश्लेषणात्मक तकनीक संबंधी केन्द्र ▪ मूल विज्ञान में अन्तर–विषयक अनुसंधान केन्द्र
5	जैविक विज्ञान स्कूल	▪ जन्तु विज्ञान विभाग ▪ पादप विज्ञान विभाग ▪ संरचनात्मक जीव विज्ञान विभाग ▪ सूक्ष्म जैविकी विभाग ▪ जैव रसायन एवं अणुजैविकी विभाग	▪ अभिकलनात्मक जीव विज्ञान एवं जैवसूचना केन्द्र ▪ मानव जैविक रसायन एवं अनुवांशिकी केन्द्र ▪ जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी एवं जैव अभियांत्रिकी केन्द्र
6	पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल	▪ भू–विज्ञान विभाग ▪ भूगोल विभाग ▪ पर्यावरण विज्ञान विभाग ▪ वायुमंडलीय एवं भूमंडलीय विज्ञान विभाग	▪ जलवायु परिवर्तन, महासागरीय विज्ञान एवं हिमनद अध्ययन केन्द्र ▪ जल विज्ञान एवं जलीय ऊर्जा केन्द्र ▪ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं मानव पारिस्थितकी केन्द्र
7	गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल	▪ गणित विभाग ▪ सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान विभाग ▪ कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग ▪ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	▪ मल्टी–मीडिया प्रणाली विकास केन्द्र

क्रम.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय/विभाग	स्कूल के केन्द्र
8	मानविकी एवं भाषा स्कूल	▪ दर्शनशास्त्र एवं मानव मूल्य विभाग ▪ तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता विभाग ▪ इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ▪ भाषा विज्ञान एवं व्युत्पत्ति विज्ञान विभाग ▪ अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग ▪ हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग ▪ संस्कृत एवं पाली विभाग ▪ उर्दू विभाग	▪ संचार एवं भाषा प्रयोगशाला केन्द्र ▪ तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केन्द्र ▪ भारत–अरब एवं ईरानी अध्ययन केन्द्र ▪ भारत–तिब्बत एवं चीनी भाषा अध्ययन केन्द्र
9	समाज विज्ञान स्कूल	▪ अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग ▪ राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध विभाग ▪ लोक नीति एवं सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन विभाग ▪ समाज शास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग ▪ समाज कार्य विभाग ▪ मनोविज्ञान एवं व्यवहार विज्ञान विभाग ▪ परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग	▪ शांति अध्ययन एवं मतभेद समाधान केन्द्र ▪ दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र ▪ रक्षा एवं रणनीति अध्ययन केन्द्र ▪ सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र ▪ महिला संबंधी अध्ययन केन्द्र ▪ दलित एवं अल्पसंख्यक संबंधी अध्ययन केन्द्र ▪ ग्रामीण एवं जनजाति संबंधी अध्ययन केन्द्र
10	शिक्षा स्कूल	▪ शैक्षिक अध्ययन विभाग ▪ अध्यापक शिक्षा विभाग ▪ विशेष शिक्षा विभाग ▪ आरंभिक बाल्यावस्था संबंधी शिक्षा विभाग	▪ शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र ▪ शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन केन्द्र
11	व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल	▪ लेखा तथा वित्त विभाग ▪ मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग ▪ उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंधन विभाग ▪ विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ▪ प्रबंधन विज्ञान विभाग ▪ परिवर्तन प्रबंधन एवं संगठन विकास विभाग ▪ अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यवसाय एवं वित्त विभाग	▪ कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिकता एवं कार्पोरेट शासन केन्द्र ▪ उद्यमिता एवं नवोन्मेष केन्द्र
12	पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल	▪ पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग ▪ होटल एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग ▪ आयोजन, व्यापार मेला एवं प्रदर्शनी प्रबंधन विभाग	▪ पारिस्थितकीय, साहसिक खेलादि, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन संवर्धन संबंधी केन्द्र
13	ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल	▪ अभिनय कला विभाग ▪ दृश्य कला विभाग ▪ कला इतिहास, कला शिक्षा एवं कला विवेचना विभाग	▪ पहाड़ी भाषा, कला, संस्कृति एवं हस्तशिल्प लौकिकीकरण और संरक्षण केन्द्र
14	पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल	▪ पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग ▪ जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ▪ फोटोग्राफी, फिल्म एवं टेलीवीजन विभाग ▪ विज्ञापन और विपणन संचार विभाग	▪ मीडिया अध्ययन एवं विकास संचार केन्द्र

क्रम.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय/विभाग	स्कूल के केन्द्र
परिनियमों एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत अनुमोदन के लिए शेष स्कूल/महाविद्यालय/विभाग/केन्द्र			
15	योजना, वास्तुकला एवं अभिकल्प स्कूल	▪ वास्तुकला विभाग ▪ भूदृश्य वास्तुकला विभाग ▪ आंतरिक अभिकल्प विभाग ▪ योजना विभाग ▪ अभिकल्प विभाग	▪ शहरी नवीकरण और वास्तुकला संरक्षण केन्द्र
16	विधि एवं न्यायशास्त्र स्कूल	▪ संवैधानिक विधि विभाग ▪ प्रशासनिक विधि विभाग ▪ दंड–विधि विभाग ▪ कॉर्पोरेट एवं कराधान विधि विभाग ▪ श्रम–विधि एवं औद्योगिक संबंध विभाग ▪ अन्तरराष्ट्रीय विधि विभाग ▪ स्वीय विधि विभाग	▪ तुलनात्मक विधि एवं न्यायशास्त्र केन्द्र ▪ साइबर विधि एवं साइबर अपराध अध्ययन केन्द्र ▪ विश्व व्यापार संगठन, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन एवं बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी विधि अध्ययन केन्द्र ▪ मानवाधिकार केन्द्र ▪ पर्यावरणीय विधि केन्द्र
17	शारीरिक शिक्षा, क्रीड़ा एवं खेलकूद स्कूल	▪ खेलकूद विभाग ▪ इंडोर क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग ▪ कोर्ट क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग ▪ फील्ड क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग ▪ जल क्रीड़ा विभाग ▪ घुड़सवारी विभाग ▪ निशानेबाजी एवं तीरंदाजी विभाग ▪ साहसिक खेल एवं ट्रेकिंग विभाग	▪ खेल मनोविज्ञान केन्द्र ▪ खेल चिकित्सा केन्द्र ▪ खेल भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरापी) केन्द्र ▪ योग एवं स्वस्थता संबंधी अन्य रहन–सहन एवं आहार संबंधी अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं

एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा पर आधारित प्रवेश
एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थी के विषय के ज्ञान, कॉम्प्रहेंसन (पाठबोध), तर्कशक्ति और उच्चतर अध्ययन की अभिक्षमता के आंकलन के लिए सामान्य राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा ली जाती है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **किन्हीं दो अध्ययन कार्यक्रमों** में इच्छित विषय को वरीयता के अनुसार इंगित करते हुए केवल एक परीक्षा देने की आवश्यकता होती है।

नवाचारी कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या रूपरेखा
उच्च शिक्षा में सुधार संबंधी लक्ष्यों से मार्गदर्शन तथा विश्व की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीख लेते हुए विश्वविद्यालय ने कई नवान्वेषण किए हैं जिनका ब्योरा निम्नानुसार है :

- **सेमेस्टर आधारित शैक्षणिक कैलेण्डर :** विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम – स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं एमफिल/पीएचडी अर्थात अनुसंधान डिग्री (आरडी) सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित हैं जिनकी रूपरेखा शिक्षण दिवसों की प्रभावी संख्या और अध्यापन–अधिगम इनपुट के संदर्भ में वैश्विक पद्धतियों के अनुरूप तैयार की गई है ।

- **व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली पर आधारित कार्यक्रम :** विश्वविद्यालय ने मुख्यतया विश्व की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की तर्ज पर व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीसीबीसीएस) शुरू की है ।

- **अध्ययन कार्यक्रम, क्रेडिट के संदर्भ में परिभाषित किए गए हैं :** पारंपरिक प्रणाली में शोधपत्रों/पाठ्यक्रमों के विपरित छात्र द्वारा निम्नलिखित संचित करना अपेक्षित है :
  - स्नातक डिग्री अर्जित करने के लिए 120 यूजी क्रेडिट
  - स्नातकोत्तर डिग्री अर्जित करने के लिए 80 पीजी क्रेडिट
  - एमफिल डिग्री अर्जित करने के लिए 60 आरडी क्रेडिट
  - पीएचडी डिग्री अर्जित करने के लिए 120 आरडी क्रेडिट

- **छात्र गतिशीलता एवं क्रेडिट हस्तांतरण :** विश्वविद्यालय ने भारत एवं विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा क्रेडिट संचय को सुगम बनाने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है । विश्वविद्यालय ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संगत अध्यादेश के अनुसार समतुल्यता नियत करने एवं अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट के हस्तांतरण को स्वीकृत करने के लिए एक सुगठित तंत्र विकसित किया है ।

- **अध्ययन कार्यक्रम को तैयार करने में नवीनता :** अध्ययन विभाग, अध्ययन कार्यक्रमों की कोई रूपरेखा तैयार करने के बजाय केवल (क) अपने संकाय सदस्यों की निपुणता एवं विशेषज्ञता के आधार पर पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार और प्रस्तावित करेंगे (ख) प्रस्तावित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षा एवं सह–अपेक्षा विनिर्दिष्ट करेंगे और (ग) अध्ययन कार्यक्रम को पूरा करने के लिए आवश्यक क्रेडिट संचित करने हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रमों को चुनने में छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे । इस प्रकार छात्र की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए (पारंपरिक अध्यापक–केन्द्रित दृष्टिकोण के विपरीत) ''विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण'' पर बल दिया गया है जिससे कि शिक्षा ग्रहण करने में विषय, रीति और गति के संबंध में व्यापक विकल्प उपलब्ध हो सके।

- **अधिगम के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित क्रेडिटों का संगणन :** हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक क्रेडिट को 30 घंटे के कुल छात्र प्रयासों (टीएसई) के बराबर परिभाषित किया गया है जिसमें **(क)** 10 घंटे के व्याख्यान/आयोजित कक्षा कार्यकलाप/संपर्क घंटे **(ख)** 5 घंटे के प्रयोगशाला कार्य/प्रायोगिक/क्षेत्र कार्य/अनुशिक्षण/शिक्षक के नेतृत्व में कार्यकलाप और **(ग)** 15 घंटे के अन्य कार्य अर्थात स्वतंत्र व्यक्तिगत/सामूहिक कार्य; अनिवार्य/वैकल्पिक कार्य; प्लेसमेंट; साहित्य सर्वेक्षण/पुस्तकालय कार्य; आंकड़ा संग्रहण/क्षेत्र कार्य; शोधपत्र/परियोजनाएं (प्रोजेक्ट)/शोध निबंध/शोध प्रबंध लिखना; सेमिनार आदि। इस प्रकार, आंतरिक जिज्ञासा से प्रेरित गहन शिक्षा और स्वतंत्र रूप से स्व–प्रवर्तित शिक्षा और पढ़ाए गए

विषय–वस्तु में संतुलन स्थापित करते हुए विषय में निपुणता पर जोर दिया जाता है ।

➢ **सभी अध्ययन कार्यक्रमों का माड्यूलर स्वरूप होना** : विश्वविद्यालय के सभी अध्ययन कार्यक्रमों की रूपरेखा माड्यूलर रूप में तैयार की गई है जिसमें पाठ्यक्रम छोड़ने एवं समकक्ष (लैटेरल) प्रविष्टि का विकल्प है । जहाँ अधिकतर छात्र बिना किसी रूकावट के अपना यूजी / पीजी / आरडी पूरा कर लेते हैं, वहीं कुछ छात्र अपने व्यक्तिगत बाध्यकारी कारणों से बीच में ही अध्ययन पाठ्यक्रम छोड़ने के लिए बाध्य हो जाते हैं । इसलिए, विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम के बीच में अध्ययन छोड़ने के संबंध में सुगठित ढाँचा विकसित किया गया है, जिसके अन्तर्गत परिसर में बिताए गए समय की अवधि तथा उनके द्वारा संचित क्रेडिट के आधार पर उनको सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा । उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी दो सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ना चाहते हैं तो वह ऐसा कर सकता / सकती है और उसको उपयुक्त सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस डिप्लोमा भी प्रदान किया जाएगा तथा वह दो वर्ष के भीतर पुनः इस स्तर से आगे अपना अध्ययन शुरू कर सकता / सकती है । इस प्रकार, **यूजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :**

- सर्टिफिकेट (यदि वह 40 यूजी क्रेडिट के साथ–2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता / छोड़ती है);
- डिप्लोमा (यदि वह 80 यूजी क्रेडिट के साथ 4 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता / छोड़ती है);
- बैचलर डिग्री (यदि वह 120 यूजी क्रेडिट के साथ 6 पूर्ण सेमेस्टरों को पूरा करने के लिए बना रहता / रहती है) ।

पीजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :

- एडवांस डिप्लोमा (यदि वह 40 पीजी क्रेडिट के साथ I2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता / छोड़ती है);
- मास्टर डिग्री (यदि वह 80 पीजी क्रेडिट के साथ 4 पूर्ण सेमेस्टर के लिए बना रहता / रहती है) ।

इसके अतिरिक्त, अध्ययन छोड़ने वाले छात्र यदि अगले दो वर्ष के भीतर विश्वविद्यालय में वापस आ जाते हैं तो वे अपनी डिग्री पूर्ण एवं प्राप्त करने के लिए पार्श्विक रूप से अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पात्र होंगे ।

➢ **सभी अध्ययन कार्यक्रमों का बहुविषयक / अन्तर–विषयक होना** : विश्वविद्यालय के अध्ययन विभागों की रूपरेखा मूल विषयों के इर्द–गिर्द तैयार की जाती है (ताकि संकाय सदस्य अनुसंधान की अपनी विशिष्टता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करते रह सकें) । तथापि, विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम बहुविषयक होता है क्योंकि छात्र को पूरे विश्वविद्यालय में प्रदान किए जाने वाले कई प्रकार के पाठ्यक्रमों से आवश्यक संख्या में क्रेडिट संचित करने का अधिकार दिया गया है (अर्थात एक छात्र संगीत के साथ गणित, दर्शनशास्त्र के साथ भौतिकी, मानविकी के साथ तकनीकी पाठ्यक्रमों और इसी प्रकार अन्य पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त करने के लिए हकदार होगा) । तदनुसारः

➢ **पीजी स्तर पर छात्र को निम्नानुसार 80 पीजी क्रेडिट संचित करना होगा:**

कोर्स प्रकार		अपेक्षित क्रेडिट
मूल (कोर) कोर्स	अनिवार्य (50%)	40
	खुला (15%)	12
इलेक्टिव कोर्स	विशेषज्ञता (20%)	16
	खुला (5%)	4
फाउण्डेशन कोर्स	मानव निर्माण (5%)	4
	कौशल विकास (5%)	4
यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार कुल क्रेडिट अपेक्षाएं (100%)		80

➢ **यूजी स्तर पर छात्र को निम्नानुसार 140 यूजी क्रेडिट संचित करना होगा:**

कोर्स प्रकार		अपेक्षित क्रेडिट
मूल (कोर) कोर्स	अनिवार्य (60%)	72
	खुला (10%)	12
इलेक्टिव कोर्स	विशेषज्ञता (10%)	12
	खुला (10%)	12
फाउण्डेशन कोर्स	मानव निर्माण (5%)	6
	कौशल विकास (5%)	6
	प्रोजेक्ट कार्य	20
	शोध निबंध (डिजर्टेशन)	20
यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार कुल क्रेडिट अपेक्षाएं (100%)		140

➢ **सभी कार्यक्रमों का व्यापक सतत आंतरिक आकलन पर आधारित होना** : सभी विषयों और सभी स्तरों पर सभी अध्ययन पाठ्यक्रमों में छात्रों का आकलन क्विज, दत्तकार्य (असाइनमेंट), स्वतंत्र कार्य, सामूहिक कार्य, मध्यावधि एवं अंतिम सत्र की समाप्ति पर परीक्षा के आधार पर व्यापक सतत आंतरिक आकलन के जरिए किया जाएगा । सामान्य सिद्धांत के रूप में व्यापक सतत आंतरिक आकलन में निम्नलिखित घटक शामिल होंगे :

- सतत आंतरिक आकलन 25 प्रतिशत
- मध्यावधि परीक्षा 25 प्रतिशत
- अंतिम सत्र परीक्षा 25 प्रतिशत

➢ **सभी अध्ययन कार्यक्रमों में ग्रेडिंग प्रणाली का होना** : विश्वविद्यालय में अंक, ग्रेड प्वाइंट, लेटर ग्रेड

एवं कक्षा (क्लास) के संदर्भ में छात्रों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन का आधार दस (10) प्वाइंट स्केल पर आधारित ग्रेडिंग प्रणाली होगी । एक सेमेस्टर के अन्तर्गत छात्र के कुल कार्य–निष्पादन और दूसरे सेमेस्टर से आगे सतत कार्य–निष्पादन को (क) सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए); (ख) सेमेस्टर प्रतिशत अंक (एसपीएम); (ग) संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए); और (घ) संपूर्ण प्रतिशत अंक (ओपीएम) द्वारा इंगित किया जाएगा । इसमें सीजीपीए तथा ओपीएम छात्रों के कार्य निष्पादन के वास्तविक सूचक होंगे।

➢ **नवान्वेषित अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम :**

विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम एक कठिन एवं विस्तृत कार्यक्रम ह जिसका उद्देश्य अनुसंधान कौशलों को तीक्ष्ण करना, अध्यापन क्षमता विकसित करना, गुणवत्तायुक्त अनुसंधान प्रकाशित करना तथा सेमिनारों एवं सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करना है । तदनुसार, शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए छात्र को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, अध्यापन सहायकवृत्ति, प्रकाशन कार्य एवं शोध निबंध/शोध प्रबंध के जरिए क्रेडिट संचित करना आवश्यक होता है । एमफिल एवं पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अवधि एवं क्रेडिट आवश्यकताएं निम्नानुसार है :

एमफिल के लिए : एमफिल डिग्री प्राप्त करने हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना, जिसके लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 60 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगा : पाठ्यक्रम संबंधी कार्य : 20 क्रेडिट शोध निबंध : 20 क्रेडिट प्रकाशन : 10 क्रेडिट अध्यापन सहायकवृत्ति : 10 क्रेडिट	**पीएचडी के लिए** : पीएचडी डिग्री प्राप्त करने हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना, जिसके लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 120 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगा: पाठ्यक्रम संबंधी कार्य : 20 क्रेडिट शोध निबंध : 60 क्रेडिट प्रकाशन : 20 क्रेडिट अध्यापन सहायकवृत्ति : 20 क्रेडिट

➢ अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को अपने प्रवेश के बाद के पहले दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूरा करना आवश्यक होता है । अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम की अधिकतम निर्धारित अवधि के बावजूद यदि छात्र दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा नहीं कर पाता है तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा तथा उसके नाम को विश्वविद्यालय की पंजिका से हटा दिया जाएगा । इसके अतिरिक्त अनुसंधान कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किसी भी छात्र को शोध निबंध कार्य को करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा न हो जाए ।

➢ अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश के लिए औपचारिकताएं पूरी करने के शीघ्र बाद प्रत्येक छात्र को इस बारे में निर्धारित प्रारूप (फार्मेट) में लिखित में यह प्रस्तुत करना आवश्यक होता है कि क्या वह एमफिल के लिए या पीएचडी डिग्री के लिए अध्ययन करना चाहता/चाहती है।

➢ यदि अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र के पास इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की एमफिल डिग्री है तो पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट आवश्यकताओं को तदनुसार समायोजन किया जा सकता है । तथापि, ऐसे छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन कार्य एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए शेष क्रेडिट के साथ–साथ शोध निबंध कार्य हेतु पूर्ण 60 आरडी क्रेडिट पूरा करना आवश्यक होगा।

➢ **प्रकाशन कार्य के लिए क्रेडिट की संगणना :** एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए प्रकाशित कार्य हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

(I) राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/ कार्यशालाओं में प्रकाशित प्रत्येक सामान्य शोधलेख / प्रस्तुत शोधपत्र के लिए 2 क्रेडिट;

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/ कार्यशालाओं में प्रस्तुत प्रत्येक शोधपत्र के लिए 4 क्रेडिट;

(iii) राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में प्रत्येक शोधपत्र के लिए 5 क्रेडिट;

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में

प्रत्येक शोधपत्र के लिए 10 क्रेडिट;

(v) आरडी कार्यक्रम के लिए छात्रों को पंजीकृत करने वाले प्रत्येक विभाग/केन्द्र को प्रकाशन के लिए अनुमोदित जर्नलों की अद्यतन सूची रखनी होगी।

➢ **अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट की संगणना** : एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए अध्यापन सहायकवृत्ति हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

(i) दो क्रेडिटों के एक सेमेस्टर पाठ्यक्रम के सह–अध्यापन कार्य के लिए 5 क्रेडिट; इस श्रेणी से अधिकतम 10 क्रेडिट

(ii) आकलन, मूल्यांकन, परीक्षा, पाठ्यक्रम विकास, पठन सूची आदि के विकास में सहभागिता के प्रत्येक 30 घंटे के लिए 1 क्रेडिट; इस श्रेणी से अधिकतम 10 क्रेडिट

(iii) परीक्षा में अन्वीक्षण के प्रत्येक 15 घंटे के लिए 1 क्रेडिट; इस श्रेणी से अधिकतम 10 क्रेडिट; बशर्ते यह कि प्रत्येक शोधार्थी को प्रत्येक खंड से कम से कम 02 क्रेडिट अर्जित करना होगा । (इस श्रेणी के अंतर्गत दावा किए गए कार्य की मात्रा की संपरीक्षा करने एवं इसको प्रमाणित करने का दायित्व संबंधित पर्यवेक्षक का है) ।

यू.जी.सी./विश्वविद्यालय के मानदंडों और अपेक्षाआ को पूरा करने वाले एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थी यू.जी.सी. के नियमो के अनुसार नॉन–जेआरएफ अभ्यर्थियों को यथाप्रयोज्य फेलोशिप तथा कंटीजेंसी अनुदान प्राप्त करने की पात्रता रखेंगे ।

अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) में अकादमिक संसाधन

विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर(रों) की भौतिक तथा आधारभूत सुविधाओं के विकास में कुछ समय लग सकता है । अंतरिम तौर पर विश्वविद्यालय द्वारा शाहपुर में स्थित अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) से अपनी शैक्षिक गतिविधियां आरंभ की गईं हैं । अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

सुविधाएं	विवरण
कक्षाएं/व्याख्यान थियेटर	▪ छः अत्याधुनिक कक्षाएं जिनमें प्रत्येक में 50 छात्रों के बैठने की क्षमता है ▪ छः अत्याधुनिक व्याख्यान थियेटर जिनमें प्रत्येक में 90 छात्रों के बैठने की क्षमता है ▪ सात स्मार्ट क्लासरूम/लैक्चर थिएटर ▪ सामूहिक चर्चा, परियोजनाओं (प्रोजेक्ट्स), कार्यशालाओं आदि के लिए एक कक्षा जिसमें 20 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है ▪ सभी कक्षाएं मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर/इंटरनेट कनैक्टीविटी से सुसज्जित हैं।
सेमिनार कक्ष/सम्मेलन हॉल	▪ एक सम्मेलन हॉल जिसमें 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है ▪ एक पूर्ण सुसज्जित सेमिनार हॉल जिसमें 140 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है
प्रयोगशालाएं	▪ भौतिकी प्रयोगशाला ▪ पर्यावरण विज्ञान लैब ▪ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी कम्प्यूटर लैब ▪ आईटी लैब
कार्यालय स्थल/ वर्क स्टेशन/काउन्टर	▪ विश्वविद्यालय क वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तीन चैम्बर एवं कार्यालय ▪ केन्द्रीय कार्यालय जिसमें स्वागत कक्ष, रोकड़ काउन्टर, दो केबिन एवं स्टाफ के लिए छः वर्क स्टेशन ▪ परीक्षा एवं अन्य गोपनीय रिकार्डों के लिए एक स्ट्रौंग रूम
संकाय कक्ष/कक्षक/वर्क स्टेशन	▪ प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष/अधिष्ठाताओं के लिए पूर्णतया सज्जित सात केबिन ▪ स्कूलों/विभागों के कार्यालयों के लिए सात वर्कस्टेशन ▪ एसोसिएट प्रोफेसरों/सहायक प्रोफेसरों के लिए सतहत्तर वर्कस्टेशन ▪ सीईओ कार्यालय के स्टाफ के लिए दो वर्कस्टेशन
पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन केन्द्र (एलआईआरसी)	▪ विषयसूची (कैटलॉग) एवं ई–रिसोर्स का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रयोग के लिए 11 टर्मिनल ▪ पठन कक्ष जिसमें एक साथ लगभग 40 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है ▪ लगभग 100 व्यक्तियों के लिए लॉकर ▪ पुस्तकालय–अध्यक्ष चैंबर/भंडार कक्ष/ फोटोकॉपी की सुविधा ▪ 'इनफ्लिबनेट' से विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के सॉफ्टवेयर (एसओयूएल) ▪ 'इनफ्लिबनेट' द्वारा यूजीसी–इन्फोनेट के माध्यम से ई–रिसोर्स
अन्य सुविधाएं	▪ शुद्ध पेयजल की सुविधाएं ▪ भुगतान आधार पर छात्रों एवं स्टाफ के लिए फोटोकॉपी की सुविधा ▪ छोटा जिम/कार्यकलाप कक्ष/ बुनियादी सुविधाओं से युक्त एक खेल का मैदान
इंटरनेट कनेक्टिविटी	▪ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) /एनएमई – आईसीटी के अंतर्गत 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी
एलएएन/वाईफाई	▪ संपूर्ण अस्थायी शैक्षणिक खंड में लोकल एरिया नेटवर्क एवं वाईफाई कनेक्टिविटी
रिसर्च स्कॉलर्स लब्स	▪ विश्वविद्यालय के पास 114 शोधार्थियों के बैठने की क्षमता के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत तीन अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं ।
कंप्यूटिंग सुविधा	▪ विश्वविद्यालय के पास 174 डेस्कटॉप और आईटी लैब, शिक्षकों और अस्थायी शैक्षणिक खंड कार्यालय के लिए 8 लैपटॉप हैं।
संचार सुविधा	▪ पांच लैंडलाइन टेलीफोन कनेक्शन ▪ 64 लाइन ईपीबीएक्स सिस्टम
जनरेटर सुविधा	▪ चौबीसों घंटे बिजली बैक–अप उपलब्ध कराने के लिए 320 केवीए जनरेटर की सुविधा
वीडियो कान्फ्रेंसिंग सुविधा	▪ एनकेएन आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अवसंरचना
कैंटीन सुविधा	▪ कैंटीन
एटीएम सुविधा	▪ अस्थाई शैक्षणिक ब्लॉक, शाहपुर में केनरा बैंक की एटीएम सुविधा

संकाय सदस्य एवं बौद्धिक संसाधन

विश्वविद्यालय आरंभ से ही अपने परिसर में एक गुणवत्तापूर्ण अध्ययन–अध्यापन वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए अति योग्य अध्यापकों की नियमित एवं पूर्णकालिक नियुक्तियां की गई हैं । इसके अतिरिक्त, शिक्षकों की अविलम्ब उपलब्धता के लिए प्रतिनियुक्ति / संविदा आधार पर नियुक्तियां और अतिथि संकाय / अभ्यागत संकाय द्वारा आमंत्रित व्याख्यान का प्रावधान भी प्रावधान किया गया है ।
विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 140 पद स्वीकृत किए थे, जिनमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सहायक प्रोफेसर के पद शामिल हैं । विश्वविद्यालय के स्थायी संकाय सदस्यों का विवरण निम्नलिखित है :

स्कूल/विभाग/केंद्र	नाम एवं पदनाम	संकाय सदस्य
1. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल (एस.बी.एम.एस.): अधिष्ठाताः डॉ. संजीव गुप्ता, पीएच.डी		
लेखा तथा वित्त विभाग (ए एंड एफ)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. संजीव गुप्ता, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, पीएच.डी
		डॉ. आशीष नाग, पीएच.डी
		श्री मोहम्मद आतिफ, एम.कॉम, जेआरएफ
		डॉ. मोहिंदर सिंह, पीएच.डी
विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग (एम एंड एससीएम)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. भगवान सिंह, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	श्री चमन लाल, एम.फिल., जेआरएफ
		डॉ. सर्वेश कुमार, पीएच.डी
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग (एचआरएम एंड ओबी)	विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर	प्रो. योगिंद्र एस. वर्मा, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. गीतांजलि उपाध्याय, पीएच.डी
		डॉ. भावना भारद्वाज, पीएच.डी
		डॉ. अदिति शर्मा, पीएच.डी
उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन केन्द्र	निदेशक	प्रो. एच.आर. शर्मा, पीएच.डी
2. पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान स्कूल (एस.ई.ई.एस.): अधिष्ठाताः डॉ. दीपक पंत, पीएच.डी		
पर्यावरण विज्ञान विभाग (ईएस)	प्रोफेसर	प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन, पीएच.डी
	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. दीपक पंत, पीएच.डी
	एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. मुश्ताक अहमद
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. अंकित टंडन, पीएच.डी
		डॉ. अनुराग लिंडा, पीएच.डी
		डॉ. शुभांकर चटर्जी, पीएच.डी
3. शिक्षा स्कूल (एस.ओ..ई.) : अधिष्ठाताः डॉ. मनोज कुमार सक्सेना, पीएच.डी.		
अध्यापक शिक्षा विभाग (टीई)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. मनोज सक्सेना, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. अनु जी.एस., पीएच.डी
		डॉ. नवनीत शर्मा, पीएच.डी
		सुश्री प्रकृति भार्गव, एम.फिल., एम.एड.
		सुश्री रेणु भंडारी, एम.एड., नेट
4. मानविकी एवं भाषा स्कूल (एस.एच.एल) : अधिष्ठाताः डॉ. रोशन लाल शर्मा, पीएच.डी.		
अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग (ईईएल)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. रोशन लाल शर्मा, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. खेम राम शर्मा, पीएच.डी
		डॉ. हेम राज बंसल, पीएच.डी
		श्रीमती श्वेता नंदा, एम.फिल., नेट
		डॉ. के.बी.एस. कृष्णा, पीएच.डी
हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग (एचआईएल)	विभागाध्यक्ष	डॉ. रोशन लाल शर्मा, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. साएमा बानो, पीएच.डी
		श्री चंद्रकांत सिंह, एम.फिल., नेट
संस्कृत एवं पाली (एसपी)	विभागाध्यक्ष	डॉ. रोशन लाल शर्मा, पीएच.डी
5. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल (एस.जे.एम.सी.एन.एम.) : अधिष्ठाताः डॉ. प्रदीप नायर, पीएच.डी.		
पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग (जेसीडब्ल्यू)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. रबीन्द्रनाथ एम. पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. अर्चना कटोच, पीएच.डी
		श्री हरिकृष्णन बी., एमसीजे, नेट
		डॉ. हर्ष मिश्रा, पीएच.डी

जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग (एमसीई)	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. प्रदीप नायर, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. राम प्रवेश राय, पीएच.डी
		श्री कुलदीप सिंह, एमजेएमसी, नेट
6. जैविक विज्ञान स्कूल (एस.एल.एस.) : अधिष्ठाताः प्रो. योगिंद्र एस. वर्मा, पीएच.डी		
कम्प्युटेशनल बायोलोजी एवं बायोइन्फार्मेटिक्स केंद्र (सीसीबीबी)	निदेशक	प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. पोलामाराशेट्टी अपरॉय, पीएच.डी
		डॉ. विक्रम सिंह, पीएच.डी
		डॉ. यूसुफ अख्तर, पीएच.डी
		श्री शैलेंद्र के. वर्मा, एम.एससी., नेट
7. गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल (एस.एम.सी.आई.एस.) : अधिष्ठाताः प्रो. आई.वी. मल्हन		
गणित विभाग (एमटीएच)	विभागाध्यक्ष	प्रो. आई.वी. मल्हन, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. सचिन श्रीवास्तव, पीएच.डी
		डॉ. रविंदर सिंह, पीएच.डी
		डॉ. राकेश कुमार, पीएच.डी
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग (सीएसआई)	विभागाध्यक्ष	प्रो. आई.वी. मल्हन, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	श्री मनोज धीमान, एमसीए, नेट
		श्री केशव सिंह रावत, एम.टेक., नेट
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (एलआईएस)	विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर	प्रो. आई.वी. मल्हन, पीएच.डी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. डिंपल पटेल, पीएच.डी
		श्री निम्माला करूणाकर, एम.लिब., नेट
8. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल (एस.पी.एम.एस.) : अधिष्ठाताः डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, पी.एचडी.		
भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग (पीएएस)	एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, पी.एचडी
	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. बी.सी. चौहान, पी.एचडी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. अयान चटर्जी, पी.एचडी
		डॉ. सुरिंदर वर्मा, पी.एचडी
		डॉ. दलीप सिंह वर्मा, पी.एचडी
		डॉ. जगदीश कुमार, पी.एचडी
		डॉ. पद्मनाभ राय, पी.एचडी (यूजीसी– सहायक प्रोफेसर)
		डॉ. रजनीश तिवारी, पी.एचडी (डीएसटी इंस्पायर संकाय)
9. समाज विज्ञान स्कूलः अधिष्ठाता (एस.एस.एस.) : प्रो. एच.आर. शर्मा, पीएच.डी.		
समाज कार्य विभाग (एसडब्ल्यू)	प्रोफेसर	प्रो. अरविंद अग्रवाल, पी.एचडी (लियन पर)
	विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. आशुतोष प्रधान, पी.एचडी
	सहायक प्रोफेसर	श्रीमती अंबरीन जमाली, एमएसडब्ल्यू, नेट
		श्री शबाब अहमद, एम.फिल., नेट
अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग (ईपीपी)	विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर	प्रो. एच.आर. शर्मा, पी.एचडी
	सहायक प्रोफेसर	श्री अमित के. बसंतरे, एम.फिल., नेट
		श्री इंदरवीर सिंह, एम.फिल., जेआरएफ
		श्री कमल सिंह, एमए, नेट
10. पर्यटन यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल (एस.टी.टी.एच.एम.) : अधिष्ठाताः प्रो. एच.आर. शर्मा, पीएच.डी.		
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (टीटीएम)	विभागाध्यक्ष	प्रो. एच.आर. शर्मा, पी.एचडी
	सहायक प्रोफेसर	डॉ. सुमन शर्मा, पी.एचडी
		श्री अरुण भाटिया, एमटीए, नेट,
		श्री देबाशीष साहू, एमटीए, नेट
		डॉ. एस.सुंदररमन, पी.एचडी

पूर्णकालिक अध्यापकों की सेवाओं के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से समय–समय पर जानेमाने एवं अनुभवी शिक्षाविदों, प्रशिक्षित विद्वानों और विशेषज्ञों को आमंत्रित करता रहता है, जो अध्यापन और शोध को गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायक होते हैं ।

आयोजन एवं क्रियाकलाप

तृतीय दीक्षांत समारोह

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह 01 फरवरी, 2016 को सम्पन्न हुआ। भारत सरकार की मानव संसाधन एवं विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थीं। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री अरुण मायरा ने की। इस अवसर पर 633 स्नातकोत्तर एवं पी.एचडी. विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं तथा दो विद्यार्थियों को उन्नत डिप्लोमा हेतु सम्मानित किया गया। 28 विद्यार्थियों ने मैरिट सर्टिफिकेट के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किये।

आई.आई.एम.–अहमदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय एवं प्रबंधन स्कूल ने आई.आई.एम.ए द्वारा विकसित केसों और तकनीकी सामग्री को ऐक्सेस एवं असीमित संख्या में डाउनलोड करने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक करार हस्ताक्षरित किया है। आई.आई.एम.ए द्वारा केसों के विकास के साथ–साथ शिक्षणशास्त्र में केस अध्ययन तकनीकों के प्रयोग के लिए स्कूल के संकाय सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता भी दी जाएगी ।

यूनीवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेस, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन

यूनीवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेज, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ज्ञान आधारित उपक्रम, भावी प्रोद्योगिकी विकास के लिए पर्याप्त तकनीकी और प्रबंधन कौशल, नवोन्चेषित एवं प्रभावी अनुसंधान हेतु सूचना विनिमय एवं कार्य, मानव संसाधन विकास तथा अनुसंधान एवं विकास हेतु अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक एवं अनुसंधान कार्यक्रमों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के विनिमय तथा प्रकाशन एवं अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में मिल–जुलकर काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है । समझौता ज्ञापन का कार्य–क्षेत्र समाज कार्य, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषाएं, भौतिक, जैविक विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा आदि के नामोद्दिष्ट विषयों में अनुसंधान एवं अध्यापन में सहयोग करना है । यह समझौता ज्ञापन पाँच वर्षों तक लागू रहेगा जिसे परस्पर करार के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है । जुलाई 2014 में प्रो. अरविंद अग्रवाल, जो यूनीवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेज, फ्रैंकफर्ट के अभ्यागत संकाय रह चुके हैं, के नेतृत्व में समाज कार्य विभाग के चार विद्यार्थियों ने फ्रैंकफर्ट में ग्रीष्मकालीन स्कूल में भाग लिया ।

इनफ्लिबनेट के साथ समझौता ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शोधार्थियों की सुविधा के लिए इनफ्लिबनेट के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया जिससे वे अपने शोध प्रबंधों को "शोधगंगा : भारतीय इलेक्ट्रॉनिक शोध प्रबंधों एवं शोध निबंधों का संग्रह स्थल" पर जमा करा सकते हैं । इसके अतिरिक्त, इससे विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा शोध प्रबंधों की बैकफाइलों के डिजिटाइजेशन के संबंध में विश्वविद्यालय को प्रत्यक्ष रूप से अथवा इनफ्लिबनेट केन्द्रों के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले सभी संसाधनों तक अथवा शोध प्रबंधों एवं शोध निबंधों में साहित्यिक चोरी के निवारण के लिए सॉफ्टवेयर उपकरणों तक पहुँच प्राप्त होगी । इनफ्लिबनेट के साथ यह समझौता ज्ञापन शोधार्थियों को "शोधगंगोत्री : प्रगत्याधीन भारतीय अनुसंधान का एक संग्रह स्थल" में अपने सारसंग्रहों को भी जमा करने की सुविधा प्राप्त होगी । धीरे–धीरे इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और डिजरटेशन (डीटीडी) बहुत सामान्य हो जाएगा और इटीडी और आइआर जैसे इन प्रयासों के आधार पर अनुदान प्रदान करने वाली एजेंसियां और प्रत्यायन निकायों यथा एनएएसी और एआईसीटीई नवप्रवर्तक विश्वविद्यालय के संबंध में निर्णय ले पाएंगी ।

टीबीआरएल के साथ समझौता ज्ञापन

टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लैबरोट्रीज़ (टी.बी.आर.एल.), चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आपसी सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ है जिससे परस्पर समझ, सूचनाओं एवं सुविधाओं तथा हि.प्र.के.वि. के भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल और टी.बी.आर.एल. में उपलब्ध विशेषज्ञता के आदान–प्रदान से भारतीय उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान को सुदृढ़ किया जा सकेगा । टी.बी.आर.एल. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान विकास संगठन का एक अंग है । डॉ. मंजीत सिंह, निदेशक, टी.बी.आर.एल. और कुलसचिव, हि.प्र.के.वि. द्वारा अपनी–अपनी संस्था की समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया । अनुसंधान एवं विकास तथा मानव संसाधन विकास की दृष्टि से यह रक्षा–शिक्षा जगत की भागदारी में एक प्रभावी कदम है । यह समझौता ज्ञापन पाँच वर्षों अर्थात् 2018 तक प्रभावी रहेगा जिसे परस्पर करार के साथ आगे भी बढ़ाया जा सकता है । समझौता ज्ञापन के अंतर्गत परस्पर हित वाले अनुसंधान कार्यक्रमों और सम्मेलनों को संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा । इस करार से उभयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करना भी संभव हो पाएगा जो टी.बी.आर.एल, चंडीगढ़ द्वारा चलाए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के लिए भी समान रूप से उपयोगी होगा । इस कदम से महत्त्वपूर्ण रक्षा क्षेत्रों में अग्रणी प्रोद्योगिकी में अनुसंधान करने के भी अवसर सृजित होंगे । टी.बी.आर.एल.,चंडीगढ़ की सुविधाएं पी.जी., एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान और परियोजना कार्यों के लिए भी उपलब्ध हो पाएंगी ।

शिक्षा स्कूल

- शिक्षा स्कूल द्वारा 15–17 अप्रैल, 2015 के दौरान हिमाचल प्रदेश के डायट शिक्षकों के लिए आइसीटी इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- 01.09.2015 को ओआरई नीति के विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन। हि.प्र.के.वि. के लिए ओआरई नीति को 08 जनवरी, 2016 को अंतिम रूप प्रदान किया गया।
- शिक्षा स्कूल द्वारा अखंडता सप्ताह के अवसर पर लघु फिल्म 'पटेल' को दिखाया गया।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

- दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा 23–27 नवंबर, 2015 के दौरान जीवन कौशल दृष्टिकोणों के जरिए रोजगारनीयता कौशल पर पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा 05–14 फरवरी, 2016 के दौरान उभयमान पत्रकारों के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा 29–30 मार्च, 2016 के दौरान उच्चतर शिक्षा में कौशल विकास पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

- पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा इंडियन जियोलॉजिकल काँग्रेस के अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा पर्यावरण विज्ञान और कार्बन प्रबंधन में हालिया रूझानों पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 'वाटर वंडरफुल वर्ल्ड' विषय पर समर्पित अंतरराष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस 2015 को मनाया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान' विषय पर समर्पित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।

अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

- 11 जून, 2015 को 'डिकोलोनाइज़िग द इमैजिनेशन : लर्निंग एंड लिटरेचर इन ए हॉट क्रॉउडेड वर्ल्ड' पर एकदिवसीय सहभागिता सेमिनार।
- 30–31 अक्टूबर, 2015 के दौरान भारतीय एवं पश्चिमी साहित्य सिद्धांत पर दो दिवसीय सेमिनार।
- 22–23 अप्रैल, 2015 को पुस्तक समीक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला
- प्रो. सुधीर कुमार, अंग्रेजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 31 अक्टूबर, 2016 को 'इंटेरोगेटिंग गांधीज़ विज़न : कल्चर, एजुकेशन एंड नेशन मेकिंग' पर संभाषण।
- प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, माननीय कुलपति, हि.प्र.के.वि. द्वारा सरदार बल्लभभाई पटेल का जीवन एवं उनके कार्यों पर संभाषण।

संस्कृत एवं पाली विभाग

- प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय द्वारा दिनांक 05.11.2015 को व्यक्तित्व विकास के लिए संस्कृत की उपादेयता विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- संस्कृत–संवाद–लेखन–अनुवाद विषय पर दिनांक 17.03.2016 से 26.03.2016 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- दिनांक 17.03.2016 से 26.03.2016 तक एक योग शिविर का आयोजन किया गया।

हिन्दी विभाग

- 13 मई, 2015 को 'प्रवासी हिंदी साहित्य : समस्याएं और सरोकार' पर एक दिवसीय परिसंवाद।
- 27 फरवरी, 2016 को मातृभाषा दिवस का आयोजन।

सह–पाठ्यचारी एवं पाठ्येतर कार्यकलाप

फील्ड वर्क्स / कम्यूनिटी लैब

विश्वविद्यालय द्वारा हिमाचल प्रदेश विशेषकर विश्वविद्यालय के आसपास के समुदाय के साथ संपर्क, इंटरैक्ट और नेटवर्क के लिए कम्युनिटी लैब नामक एक अनोखा कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम शैक्षणिक पाठ्यचर्या से एकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों को चिह्नित गांवों में कुछ खास संख्या में घर सौंप दिए जाते हैं। वे आंकड़ा संग्रहण, रिपोर्ट निर्माण, हस्तक्षेप कार्यनीति पहान और समुदाय के साथ कार्य करते हैं जिससे उनका सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास हो सके। इस प्रक्रिया में विद्यार्थी वास्तविक जीवन अनुभवों से समृद्ध होते हैं।

पाठ्येतर कार्यकलाप

अस्थायी शैक्षणिक खंड में सीमित आधार पर खेलकूद, क्रीडा, और अन्य पाठ्येतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें वॉलीबाल, बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसे आउटडोर खेल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एक कार्यात्मक जिम और चयनित इंडोर खेलों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

सांस्कृतिक कार्यकलाप

विश्वविद्यालय में एक सांस्कृतिक समिति, डिबेटिंग क्लब, संगीत क्लब, प्रकृति क्लब, फिल्म क्लब, थीयेटर ग्रुप और फोटोग्राफी क्लब है। विश्वविद्यालय में समृद्ध कॉर्पोरेट जीवन है।

शैक्षिक भ्रमण / औद्योगिक दौरा

विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमणों एवं औद्योगिक दौरे आयोजित किए गए हैं। इनका लक्ष्य विद्यार्थियों को उनके विषयों के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना और करियर अवसरों के प्रति संवेदनशील बनाना है। इस प्रक्रिया में विद्यार्थी अपने करियर विकल्पों और कार्यनीतियों को तैयार कर पाते हैं।

सामाजिक जागरूकता अभियान

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सामाजिक जागरूकता से जुड़े क्रियाकलापों में सक्रियता से हिस्सा लेते हैं। इसमें पोस्टर प्रतियोगिता, जागरूकता कार्यक्रम, सामाजिक मुद्दों पर संवेदनीकरण, वाद–विवादों एवं चर्चाएं आदि शामिल हैं।

रक्तदान शिविर अभियान

विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविरों का आयोजन एक वार्षिक विशेषता बन गई है। एक वर्ष 85 व्यक्तियों ने रक्तदान किया था, जो क्षेत्र में किसी शैक्षिक संस्थान द्वारा सबसे ज्यादा रक्तदान का इतिहास है।

प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के सरकारी महाविद्यालयों के शिक्षकों के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ सक्रियता से कार्य किया जा रहा है।

समर्थनकारी सेवाएं

शुल्कमुक्ति (फ्री शिप)

विश्वविद्यालय द्वारा जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों की सहायतार्थ अपने विद्यार्थियों के कुछ प्रतिशत को शुल्कमुक्ति प्रदान की जाती है । यह प्रतिशत इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय पर यथानिर्धारित प्रतिशत होता है । शुल्कमुक्ति विवरणिका में यथाअधिसूचित प्रत्येक क्रेडिट आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रभार्य सभी फीसों के भुगतान से छूट होती है, जिसमें प्रोफेशनल विकास फीस आदि कोई है, भी शामिल हैं। इस प्रकार की शुल्कमुक्ति संबंधित स्कूल के अधिष्ठाता द्वारा स्वीकृत की जाती है ।

परिवहन सुविधाएं

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए धर्मशाला और कांगड़ा से शाहपुर स्थित अस्थायी शैक्षणिक खंड से आवागमन हेतु नाममात्र शुल्क पर परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था की गई है । इसमें विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को भी छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर हेतु परिवहन सुविधा को शामिल किया गया है ।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य भारत भर में स्थित कंपनियों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना है । इस प्रकोष्ठ के कर्मी विभिन्न कंपनियों में संभावित नियोक्ताओं से मिलकर हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल में उपलब्ध प्रचुर प्रतिभाओं के बारे में उन्हें अवगत करते हैं । इस प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यकलाप यथा औद्योगिक भ्रमण, उद्योगपतियों द्वारा अतिथि व्याख्यान, छद्म साक्षात्कार, उद्योग–शिक्षा जगत अंतर्संबंध, प्लेसमेंट पूर्व बातचीत, कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित किए जाते हैं जो उद्योग जगत के साथ–साथ विद्यार्थियों को भी एक–दूसरे को समझने–बूझने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है । प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा एमबीए के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाती है । आठ सप्ताह की ऑन–द–जॉब ट्रेनिंग स्कूल के प्रबंधन कार्यक्रम की पाठ्यचर्या का अभिन्न हिस्सा है । इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट संस्कृति का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने और जागरूकता, कौशल और मूल्यों के विकास में सहायता मिलती है, जिससे विद्यार्थीगण राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर की भावी संगठनों में प्रबंधकीय

जिम्मेवारियों का वहन करने में तत्पर हो सकें । इसी प्रकार, एमएसडब्ल्यू, एमबीए (यात्रा एवं पर्यटन) और एमलिब. के विद्यार्थियों के लिए जुलाई–अगस्त के दौरान आठ सप्ताह की ऑन–द–जॉब ट्रेनिंग आवश्यक है । विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान करवाने के प्रयत्न किए गए हैं ।

विश्वविद्यालय – उद्योग इंटरफेस

विश्वविद्यालय मजबूत विश्वविद्यालय–उद्योग इंटरफेस विकसित करने के लिए प्रयत्नरत है, जिसका लक्ष्य पाठ्यचर्या विकास, सहभाजित शिक्षण, अनुसंधान और प्रयोग के क्षेत्र में सहयोगी कार्य करना है ।

परामर्श एवं मार्गदर्शन

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विशेषज्ञ परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है ।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय परिसर पर एकत्व व स्वस्थ कॉर्पोरेट जीवन प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों की शिकायतों को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

यौन उत्पीड़न निवारण

विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न की किसी घटना की रोकथाम के लिए यूजीसी के संगत दिशानिर्देशों के अनुसार स्पर्श (यौन उत्पीड़न का संवेदीकरण, रोकथाम एवं निवारण) नामक एक समिति का गठन किया गया है ।

रैगिंग निषेध समिति

विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग प्रतिबंधित है । रैगिंग की किसी भी घटना को रोकने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार रैगिंग निषेध समिति का विधिवत गठन किया गया है ।

स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं

विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षकों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं हेतु स्थानीय सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय से एक चिकित्सक की सेवाएं ली जा रही हैं ।

स्नातक/स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों की विशिष्टताएं

पाठ्यक्रम / स्कूल / विभाग	मुख्य विशेषताएं
व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल	
• एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) : निम्नलिखित विभागों में ▪ लेखा और वित्त ▪ विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ▪ मानव संसाधन प्रबंधन • उद्यमिता और नवप्रवर्तन केंद्र	❖ सशक्त शिक्षा–उद्योग इंटरफेस ❖ ज्ञान के प्रयोग हेतु एक्सपोज़र प्रदान करने के लिए समुदायिक प्रयोगशाला ❖ आठ सप्ताह के लिए उद्योगों में छात्रों की ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट ❖ क्षेत्र अध्ययन पर आधारित परियोजना कार्य ❖ उद्यमिता और मजबूत नेतृत्व कौशल का विकास ❖ छात्रों को अपनी कोर्स बास्केट बनाने की स्वतंत्रता है, जिसमे से 40 प्रतिशत कोर्स स्कूल से, 30 प्रतिशत कोर्स विभागों से और 30 प्रतिशत विश्वविद्यालय व्यापी कोर्स चुने जा सकते हैं ❖ वृत्तिक और व्यक्तिगत विकास से जुड़ी व्यापक गतिविधियों जैसे कार्यशालाएं, क्षेत्र का दौरा, औद्योगिक दौरा, प्रश्नोत्तरी, केस अध्ययन, रोल प्ले इत्यादि ❖ कंपनी वित्त, वेब पर आधारित विपणन, मानव संसाधन एवं उद्यमशीलता से जुड़े मुद्दों, कार्यनीतिक विपणन और अंतरराष्ट्रीय वित्त पर विशेष जोर
पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान स्कूल	
• एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) पर्यावरण विज्ञान विभाग	❖ पृथ्वी और उसके पर्यावरण को समझने के लिए बहुविषयी अनुप्रयुक्त विज्ञान की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम ❖ विभिन्न औद्योगिक एवं विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के अध्ययन संचालन हेतु कौशल विकास ❖ पर्यावरण की निगरानी और मूल्यांकन के लिए विश्लेषणात्मक तकनीकों के प्रयोग में प्रशिक्षण ❖ समकालीन पर्यावरण के मुद्दों से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक समस्याओं पर विभिन्न उद्योगों या राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और परियोजना कार्य ❖ विविध शोध क्षेत्रों / अभिरुचि से युक्त संकाय सदस्यगण ❖ विविध अनुसंधान क्षेत्रों यथा भूकंपीय अध्ययन, अपशिष्ट प्रबंधन और विषहरण, भूरसायन पुराजलवायु भू–आकृति विज्ञान, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, वायुमंडलीय गतिशीलता, ग्लेसियोलोजी एवं रिमोट सेंसिंग और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी पर जोर ❖ पीसीआर मशीन, जेल प्रलेखन प्रणाली, वैद्युतकण संचलन उपकरण, एचपीएलसी, आयन क्रोमैटोग्राफी प्रणाली, माइक्रो कंपन प्रणाली, भूवेधन रडार, इंजीनियरिंग भूकम्पलेखी और एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि अनुसंधान सुविधाओं और उपकरणों से लैस अत्याधुनिक प्रयोगशाला

शिक्षा स्कूल	
• एम.ए. (शिक्षा) **अध्यापक शिक्षा विभाग**	❖ शिक्षा के सिद्धांतों एवं व्यवहार की अभिन्नता पर बल ❖ शैक्षिक अवयवों एवं उद्देश्यों का विस्तृत व गहन अध्ययन ❖ अध्यापन, अधिगम, मूल्यांकन और शोध में निर्मितिवाद एवं रचनावाद रूपावली पर बल ❖ सामाजिक और सांस्कृतिक जवाबदेही से युक्त अधिगम पर अच्छी पकड़ वाले भावी शिक्षकों को तैयार करने का कार्य ❖ स्कूल की शोध कार्यों में ज्ञानमीमांसा और शिक्षा, गणित और विज्ञान शिक्षा, रचनावाद और शिक्षा, शिक्षा के क्षेत्र में आईसीटी, पर्यावरण शिक्षा, जनजातीय शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान और विज्ञान के क्षेत्रो पर जोर
मानविकी एवं भाषा स्कूल	
• एम.ए. (अंग्रेजी भाषा और साहित्य) **अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग**	❖ अंग्रेजी साहित्य और भाषा, विश्व के विविध अनुदित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन, हाशिए पर रखे लोगों के विभिन्न साहित्य आदि से जुड़े व्यापक पाठ्यक्रम ❖ साहित्यिक अध्ययन में समकालीन चुनौतियों का सामना करने के लिए पीजी आरडी विद्यार्थियों की मजबूत सैद्धांतिक नींव गढ़ने पर जोर ❖ विद्यार्थियों में विचारधारामुक्त अन्वेषण भावना को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपेक्षित कौशलों से लैस करने पर जोर ❖ विद्यार्थियों की सोच में आलोचनात्मक और सृजनात्मक पैनापन लेन के लिए उनके विचारों में नवान्वेषण एवं नयापन को प्रोत्साहित करना
• एम.ए. (हिंदी) **हिंदी और भारतीय भाषा विभाग**	❖ भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों के समतुल्य पाठ्यक्रम और उसे सही दिशा में कार्यान्वित करने हेतु योग्य, अनुभवी और निष्ठावान शिक्षक ❖ हिंदी साहित्य की समृद्ध परम्परा से छात्रों को अवगत कराते हुए समकालीन परिदृश्य में हिंदी को व्यापक बनाना ❖ दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, जनजातीय विमर्श से जोड़ कर पाठ्यक्रम को समकालिक बनाना ❖ पाठ्यक्रम के साथ–साथ सिनेमा, अनुवाद, पत्रकारिता, स्क्रिप्ट राइटिंग, आदि को बढ़ावा; राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी, कार्यशाला आदि का आयोजन ❖ छात्रोन्मुखी शिक्षण पद्धति पर ज़ोर; 'क्लास रूम' टीचिंग में संवादधर्मिता को बढ़ावा देना, साथ ही छात्रों की सृजनात्मकता को भी परिष्कृत करना ❖ उच्चस्तरीय अनुसंधान एवं शोध की नई दिशाओं की ओर पहल
• एम.ए. (संस्कृत) **संस्कृत एवं पाली विभाग** • बीए (संस्कृत ऑनर्स) **संस्कृत एवं पाली विभाग**	❖ भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक, सार्वकालिक और वैज्ञानिक आयामों से विद्यार्थियों का परिचय करवाना। ❖ संस्कृत माध्यम के द्वारा प्राचीनतम–शास्त्रीय ज्ञान से लेकर आधुनिकतम साहित्यिक अवधारणाओं तक का उन्नतस्तरीय एवं विमर्शात्मक ज्ञान प्रदान करना। ❖ संस्कृत साहित्य में विद्यमान वैज्ञानिक, साहित्यिक और सामाजिक विषयों पर उच्चस्तरीय अनुसन्धान के लिए विद्यार्थियों को पूर्णरूप से तैयार करना। ❖ संकाय के अन्य विभागों एवं संस्कृत की विभिन्न संस्थाओं के साथ अन्तर–संस्थात्मक स्वस्थ संवाद की परम्परा को विकसित करना। ❖ पूर्ण वैज्ञानिक भाषा संस्कृत की आधुनिककाल में उपादेयता और संस्कृत में रोजगार के विविध अवसरोंसे अवगत करवाना। ❖ प्राचीन एवं आधुनिक विमर्शों के परिप्रेक्ष्य में अध्यापक और छात्र के बीच मुक्त, सतत और व्यावहारिक संवाद स्थापित कर समकालीन चुनौतियों का सामना करने की सार्थक क्षमता प्रदान करना।
पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल	
• एम.ए. (जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) **जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग**	❖ नवीन संचार नीति, राजनैतिक एवं अंतरराष्ट्रीय संचार, मीडिया विवेचना और वेब प्रौद्योगिकियों के विषय क्षेत्रों से जुड़े विविध विचार बिंदुओं को समझने पर जोर ❖ पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–टेलीविजन और रेडियो से लेकर मोबाइल और वेब प्रौद्योगिकियों से जुड़ी व्यापक पाठ्यचर्या ❖ विद्यार्थियों को संचार और सांस्कृतिक उद्योगों में कार्य करने और नॉन–प्रॉफिट तथा पब्लिक मीडिया शिक्षा और निर्माण में विकल्प को विकसित करने का अवसर प्रदान करना

	❖ विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया प्रोडक्शन तकनीकों से परिचित कराना जिससे वे हाई–डेफिनिशन प्रसारण और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में कार्य करने में सक्षम हो सकें ❖ उद्योग की बेहतर समझ के लिए विद्यार्थियों को नियमित आधार पर उद्योग भ्रमण के लिए प्रोत्साहित करना ❖ नवमीडिया शोध और नवमीडिया प्राद्योगिकियों के अनुसंधान पर बल ❖ पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों को शामिल करते हुए व्यापक अद्यतन पाठ्यचर्या
• एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) **पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग**	❖ पत्रकारिता एवं मीडिया शोध, कॉर्पोरेट संचार, विज्ञापन और मीडिया आयोजन के क्षेत्र में समृद्ध शिक्षण और उद्योग अनुभव से युक्त संकाय सदस्य ❖ कार्यरत पत्रकारों और शिक्षाविदों द्वारा कार्यशाला, शैक्षणिक भ्रमण, अतिथि व्याख्यान के जरिए विद्यार्थियों को वृत्तिक प्रशिक्षण और शैक्षिक एक्सपोजर ❖ केस–अध्ययनों, छात्र–साक्षात्कारों, प्रस्तुतीकरणों, प्रत्यक्ष प्रशिक्षण सत्रों जैसे आधुनिक शिक्षाशास्त्रीय उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग ❖ विज्ञापन एवं लोक संपर्क तथा विकास संचार से जुड़े विषयों के शोध पर बल
जैविक विज्ञान स्कूल	
• एमएससी (कंप्युटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइन्फार्मेटिक्स) **कंप्युटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइन्फार्मेटिक्स केन्द्र**	❖ जैविक विज्ञान के क्षेत्र में डेटा, वेयरहाउसिंग, डेटा माइनिंग और विश्लेषण में विशेषज्ञता ❖ संक्रामक रोगों, न्यूरोडिजेनेरेटिव रोगों, कृषिगत और पादप बायोइंफार्मेटिक्स, रोग कारक जीनों की पहचान और ड्रग डिजाइन पर विशेष जोर देते हुए ज्ञान अन्वेषण हेतु मूल्य सवंर्धित व्युत्पन्न डेटाबेस और अल्गोरिथ्म (कलन विधि) का विकास ❖ अणु के स्तर से लेकर प्रणाली के स्तर तक जीवन व उनकी प्रक्रियाओं को समझने पर जोर और जिनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स के संदर्भ में श्रृंखला और संरचना आधारित बायोइंफार्मेटिक्स तरीकों का प्रयोग करते हुए जैव–जटिलता पर विचार करना ❖ जीवित प्रणालियों को आपस में जोड़ने वाले मूल डिजाइन सिद्धांतों को समझने हेतु जैविक प्रक्रियाओं में जटिल क्रियाओं के एकीकृत अध्ययन हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध कराना। ❖ सिंथेटिक व सिस्टम बायोलॉजी के क्षेत्र में अंतर–विषयक अनुसंधान करने में सक्षम बनाने हेतु उच्च कौशलपूर्ण मानव संसाधन का विकास करना ❖ संरचनात्मक बायोइंफार्मेटिक्स, कंप्युटेशनल सिस्टम बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर मॉडलिंग और ड्रग डिजाइनिंग क्षेत्र में शोध पर जोर
गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल	
• एमएससी गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) **गणित विभाग**	❖ शिक्षण व अनुसंधान कार्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया गया है कि विद्यार्थी तार्किक व संकल्पनात्मक सोच के प्रति प्रोत्साहित हो सके ❖ औद्योगिक समस्याओं के समाधान हेतु गणितीय सिद्धांतों और ज्ञान के प्रयोग पर जोर ❖ डिफरेंशियल जियोमेट्री, फ्लूड डायनामिक्स के क्षेत्रों में शोध पर जोर
• एमएससी (आईटी) **कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग**	❖ कंप्युटेशनल आवश्यकताओं के अनुसार अद्यतन हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के साथ पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशाला ❖ समकालीन विकास से परिचित कराने हेतु औद्योगिक भ्रमण ❖ लघु परियोजनाएं प्रारंभ करना तथा प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करना
• एमएससी (पुस्तकालय विज्ञान) **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग**	❖ विभिन्न सूचना कार्यतंत्र में प्रचुर रोजगार अवसरों हेतु ज्ञान और कौशलों से विद्यार्थियों को युक्त करना ❖ हाइब्रिड पुस्तकालय और सूचना केन्द्र की मानव संसाधन जरूरतों को पूरा करने के लिए तदानुसार कोर्स तैयार करना ❖ सैद्धांतिक, अभ्यास और परियोजना आधारित अधिगम हेतु पाठ्यचर्या में संतुलन ❖ व्यावहारिक कौशलों को निखारने हेतु आधुनिक पुस्तकालयों और सूचना केन्द्रों में इंटर्नशिप कार्यक्रम ❖ शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में डीडीसी 23वां (2011) और यूडीसी अद्यतन संस्करण जैसे ज्ञान व्यवस्थापन उपकरणों का प्रयोग ❖ ज्ञान प्रबंधन और डिजिटल पुस्तकालयों के शोध पर जोर

भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल	
• एमएससी भौतिकी भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग • बी.एससी. (फिजिक्स ऑनर्स) भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग	❖ सैद्धांतिक भौतिकी की विविधि शाखाओं यथा कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, न्यूक्लियर एंड हाइ एनर्जी फिजिक्स, ऐस्ट्रोफिजिक्स और कंप्युटेशनल फिजिक्स पर विशेषज्ञता युक्त पाठ्यक्रम प्रस्तावित करना ❖ भौतिकी में सिमुलेशंस को निष्पादित करने के लिए सी, सीलैब और फोर्टन प्रोग्रामिंग में कंप्युटेशनल कौशलों को बढ़ाने हेतु कंप्युटेशनल प्रयोगशाला से सुसज्जित ❖ मॉडलिंग, सिमुलेशंस और वर्चुअल प्रयोगों के साथ रीयल टाइम प्रयोग ❖ परियोजना कार्य सहित कम से कम 16 क्रेडिटों को अर्जित करने के बाद सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता प्रदान की जाती है ❖ कंप्युटेशनल पदार्थ विज्ञान, भौतिकी शिक्षा शोध, न्यूट्रीनो भौतिकी एवं एस्ट्रोफिजिक्स, ब्रह्मांड विज्ञान एवं सामान्य आपेक्षिकता और सैद्धांतिक नाभिकीय भौतिकी के क्षेत्र में शोध पर जोर
समाज विज्ञान स्कूल	
• एमए (अर्थशास्त्र) अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग	❖ विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के पारंपरिक तथा उभरती शाखाओं दोनों में सैद्धांतिक एवं आधुनिक मुद्दों की व्यापक समझ में परंपरागत बनाते हुए सक्षम अर्थशास्त्री/अनुसंधानकर्ता के रूप में विकसित करना ❖ आर्थिक सिद्धांत अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, मात्रात्मक तकनीकों और क्षेत्र कार्य सभी के मिश्रित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना ❖ आनुभाविक समस्याओं के समाधान के लिए मात्रात्मक तकनीकों का शिक्षण अनुप्रयोग ❖ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर रोजगार बाजार में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा हेतु शोध रिपोर्ट और नीतिगत दस्तावेजों को तैयार करने के मूल कौशल विकसित करना ❖ भूसंबंधी अध्ययन, मजदूरी और रोजगार के क्षेत्रों में शोध पर बल
• समाज कार्य में स्नातकोत्तर समाज कार्य विभाग	❖ विद्यार्थियों को सामान्य समाज कार्य दृष्टिकोण से उनमें वृत्तिक ज्ञान, मूल्यों और कौशलों से युक्त करना ❖ परिवर्तन कार्यनीतियों को लागू करने के लिए प्रोफेशनल तरीकों के संदर्भ को समझने और मूल्यांकित करने के लिए शैक्षिक अनुभव प्रदान करना ❖ विभिन्न आकार–प्रकार के क्रेता तंत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत साधनों, सैद्धांतिक ढाँचा और अनुसंधान का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों की आलोचात्मक सोच को निखारना ❖ लिंग एवं कमजोर वर्ग, ग्रामीण व जनजातीय अध्ययन, समाज विकास एवं सामाजिक पूँजी के क्षेत्र में शोध पर बल
• एमए (समाज शास्त्र) समाजशास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग	❖ विद्यार्थियों को सामान्य समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से उनमें वृत्तिक ज्ञान, मूल्यों और कौशलों से युक्त करना ❖ परंपरा और आधुनिकता के विश्लेषण हेतु समकालीन समाज के संदर्भ को समझने और मूल्यांकित करने के लिए शैक्षिक अुनभव प्रदान करना ❖ विभिन्न आकार–प्रकार के क्रेता तंत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत साधनों, सैद्धांतिक ढाँचा और अनुसंधान का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों की आलोचात्मक सोच को निखारना ❖ भूमण्डलीकरण, संस्कृतिक, परंपरा और आधुनिकीकरण, लिंग एवं कमजोर वर्गों, शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय अध्ययन, समाज विकास और सामाजिक पूँजी के क्षेत्रों में शोध पर बल
• डॉ. बी.आर. अंबेडकर पीठ	❖ डॉ. बी.आर. अंबेडकर के आदर्शों, दर्शन और कार्यों को पढ़ना और आज के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता। ❖ असमानता, अस्पृश्यता, सामाजिक शोषण आदि सामाजिक कुरीतियों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना। ❖ समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना।

पर्यटन, यात्रा एव आतिथ्य प्रबधन स्कूल	
• पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता)	❖ पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग ❖ प्रबंधकीय क्षमताओं को विकसित करने पर बल देते हुए पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य पाठ्यक्रमों का मिश्रण उपलब्ध कराना ❖ सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप वृत्तिक नैतिकताओं को विकसित करने पर बल दिया जाना ❖ व्यावहारिक कौशलों को विकसित करने की दृष्टि से नियमित आधार पर औद्योगिक भ्रमण और पर्यटन उद्योग में 8 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट ❖ साहसिक पर्यटन के संभावित क्षेत्रों में नेतृत्व व उद्यमिता विकास पर जोर ❖ पर्यटन स्थान ब्रांडिंग एवं विपणन तथा आतंकवाद एवं पर्यटन के क्षेत्रों में शोध पर बल
दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र	
• बी.वोक (जन संचार) • बी.वोक. (वित्तीय एवं विपणन सेवाएं)	❖ किसी प्रोफेशन (वृत्ति) से संबंधित कौशलों और सामान्य शिक्षा के उपयुक्त विषयों का एक सम्यक मिश्रण प्रदान करना । ❖ यह सुनिश्चित करना कि विद्यार्थी पर्याप्त ज्ञान और कौशल अर्जित कर सकें ताकि कार्यक्रम के प्रत्येक एग्जिट पॉइंट (निकास चरणों) पर वे कार्य करने के लिए सक्षम हो सकें । ❖ कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व–निर्धारित प्रवेश और बहु–निकास चरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को चयन की स्वतंत्रता उपलब्ध कराना । ❖ नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एनएसएफक्यू) के साथ उच्चतर शिक्षा के स्नातक स्तर का एकीकरण जिससे स्नातकों की रोजगारनीयता को बढ़ाकर उद्योग आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। ऐसे स्नातकों से स्थानीय और राष्ट्रीय उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ–साथ वैश्विक वर्कफोर्स का हिस्सा बनने के लिए भी सक्षम होने की अपेक्षा है । ❖ वोकेशनल विषयों से 10+2 पास करने वाले विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए सुविधा प्रदान करना ।

2016–17 में प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रम

अकादमिक सत्र 2010 –11 से प्रारंभ होकर विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में निम्नलिखित अध्ययन कार्यक्रम प्रस्तावित किया जा रहा है:

अध्ययन कार्यक्रम	कार्यक्रम अवधि	आवश्यक क्रेडिट	इन्टेक
लेखा और वित्त विभाग मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग उद्यमिता और नवप्रवर्तन केंद्र			
▪ एमबीए कार्यात्मक विशेषज्ञता – विपणन, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन प्रबंधन सेक्टोरल विशेषज्ञता – उद्यमिता विकास, वित्तीय बाजार, बीमा, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय, आईटी	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	90
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल			
भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग			
▪ बीएससी (भौतिकी ऑनर्स)	6 सत्र	140 यूजी क्रेडिट	30
▪ एमएससी (भौतिकी)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
जैविक विज्ञान स्कूल			
कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैवसूचना विज्ञान केंद्र			
▪ एमएससी (कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी / जैवसूचना विज्ञान)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल			
पर्यावरण विज्ञान विभाग			
▪ एमएससी (पर्यावरण विज्ञान)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल			
गणित विभाग			
▪ एमएससी (गणित)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
कंप्यूटर विज्ञान विभाग			
▪ एमएससी (आई टी)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
पुस्तकालय विज्ञान विभाग			
▪ एमलिब. (एकीकृत दोहरी डिग्री प्रोग्राम)*	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
*एमलिब. (एकीकृत दोहरी डिग्री प्रोग्राम) में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी अगर दो सत्रों के बाद 40 पीजी क्रेडिट सफलतापूर्वक प्राप्त कर कार्यक्रम को छोड़ना चाहता/चाहती है तो उसे बीलिब. साइंस की डिग्री प्रदान की जाएगी । इस प्रकार से मध्य में छोड़ने वाले विद्यार्थी पार्श्विक प्रवेश के लिए पात्र होंगे और यदि वह दो वर्षों के भीतर शेष दो सत्रों को पूरा करने के लिए पुनः लौटता / लौटती है तो उसे एमलिब. साइंस की डिग्री प्रदान की जाएगी ।			
मानविकी और भाषा स्कूल			
अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग			
▪ एमए (अंग्रेजी भाषा और साहित्य)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
संस्कृत एवं पाली विभाग			
▪ बीए (संस्कृत ऑनर्स)	6 सत्र	140 यूजी क्रेडिट	30
▪ एमए (संस्कृत)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10

हिंदी और भारतीय भाषा विभाग			
▪ एमए (हिंदी भाषा और साहित्य)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
▪ गोजरी भाषा में सर्टिफिकेट	6 माह	10 क्रेडिट	30
समाज विज्ञान स्कूल			
अर्थशास्त्र एवं लोक नीति विभाग			
▪ एमए (अर्थशास्त्र)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
समाज कार्य विभाग			
▪ समाज कार्य में स्नातकोत्तर (एमएसडबल्यू)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
समाजशास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग			
▪ एमए (समाजशास्त्र)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ गुर्जर इतिहास एवं संस्कृति में सर्टिफिकेट	6 माह	10 क्रेडिट	30
शिक्षा स्कूल			
अध्यापक शिक्षा विभाग			
▪ एमए (शिक्षा)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल			
जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग			
▪ एमए (न्यू मीडिया कम्युनिकेशन)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग			
▪ एमए (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)	4 सत्र	80 पीजी क्रेडिट	30
▪ एमफिल / पीएचडी	3 / 6 सत्र	60/120 आरडी क्रेडिट	10
दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र			
▪ बी.वोक. (जन संचार)	6 सत्र	180 क्रेडिट	48
▪ बी.वोक. (वित्तीय एवं विपणन सेवाएं)	6 सत्र	180 क्रेडिट	48

नोट:

1. विश्वविद्यालय के पास किसी भी अध्ययन कार्यक्रम को आस्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है, जो पर्याप्त संख्या में उपयुक्त अर्हता प्राप्त विद्यार्थियों, बौद्धिक संसाधनों और अन्य सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर है ।
2. विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों की इन्टेक क्षमता केवल सांकेतिक हैं और विश्वविद्यालय द्वारा इन्टेक की संख्या कम की जा सकती है, जो पर्याप्त संख्या में उपयुक्त अर्हता प्राप्त विद्यार्थियों, बौद्धिक संसाधनों, शोध पर्यवेक्षक(कों) और अन्य अकादमिक अवसंरचना की उपलब्धता पर निर्भर है ।

विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का विवरण प्रवेश के बाद विद्यार्थियों को दिए जाने वाले छात्र–हस्तपुस्तिका में प्रस्तुत किया जाएगा । इस हस्तपुस्तिका में उपर्युक्त के अतिरिक्त, कोर्स कैटलॉग, कोर्स आउटलाइन, तथा परीक्षा, उपस्थिति, आवास और परिसर में एवं परिसर के बाहर सदाचरण से जुड़े नियम भी दिए गए हैं ।

स्नातक / स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता शर्तें

स्नातक / स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता और प्रवेश के लिए चयन मानदंड इस प्रकार हैं :

अध्ययन कार्यक्रम	न्यूनतम पात्रता शर्तें
• एमएससी (भौतिकी) • एमएससी (गणित)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नॉन–मेडिकल/इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी स्ट्रीम में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमएससी (कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एवं जैवसूचना)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान स्ट्रीम में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक / यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमएससी (आई टी)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से साइंस/इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी स्ट्रीम में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमएससी (पर्यावरण विज्ञान)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से साइंस स्ट्रीम में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमबीए • एमए (अर्थशास्त्र) • समाज कार्य में स्नातकोत्तर (एमएसडबल्यू) • एमए (समाजशास्त्र) • एमए (अंग्रेजी भाषा और साहित्य) • एमबीए (यात्रा एवं पर्यटन में विशेषज्ञता) • एमए (शिक्षा) • एमए (न्यू मीडिया कम्युनिकेशन) • एमए (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) • एमलिब. साइंस	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमए (हिंदी)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• एमए (संस्कृत)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संस्कृत अथवा शास्त्री परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातक/यूजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा
• बीएससी (भौतिकी ऑनर्स)	किसी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्ड से न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में (विज्ञान स्ट्रीम में) 10+2 परीक्षा अथवा राज्य/राष्ट्रीय स्तर के किसी अधिकृत बोर्ड से समकक्ष परीक्षा
• बीए (संस्कृत ऑनर्स)	किसी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्ड से न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में 10+2 अथवा प्राक्–शास्त्री भाग–II अथवा विशारद परीक्षा अथवा राज्य / राष्ट्रीय स्तर के किसी अधिकृत बोर्ड से समकक्ष परीक्षा
• बी.वोक. (जन संचार) • बी.वोक. (वित्तीय एवं विपणन सेवाएं)	बी.वोक. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता किसी स्ट्रीम में 10+2 में 40% होगी ।
• गोजरी भाषा में सर्टिफिकेट • गुर्जर इतिहास एवं संस्कृति में सर्टिफिकेट	किसी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्ड से न्यूनतम 50% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में 10+2 परीक्षा अथवा राज्य/राष्ट्रीय स्तर के किसी अधिकृत बोर्ड से समकक्ष परीक्षा

न्यूनतम अर्हता अंक में छूट : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग वर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में न्यूनतम अर्हता अंकों में अधिकतम 5% तक की छूट दी जाएगी ।

महत्वपूर्ण

पात्रता रखने वाले अभ्यर्थियों से ऊपर दिए गए सभी कार्यक्रमों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं ।

शोध अध्ययन कार्यक्रमों अर्थात एम.फिल / पी.एच.डी में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता शर्तें

निम्नलिखित विनिर्दिष्ट विषयों में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 % अंक अथवा समकक्ष ग्रेड में स्नातकोत्तर / पीजी डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा :

अध्ययन कार्यक्रम	विनिर्दिष्ट विषय
• प्रबंधन • पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	वाणिज्य, प्रायोगिक अर्थशास्त्र, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, औद्योगिक समाजशास्त्र, मनोविज्ञान (संगठनात्मक/ औद्योगिक मनोविज्ञान), विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन प्रशासन, सांख्यिकी, संक्रिया विज्ञान, व्यवसाय विधि, उत्पादन एवं औद्योगिक अभियान्त्रिकी, औद्योगिक प्रबंधन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• कंप्युटेशनल जीवविज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान	जीव विज्ञान, कंप्युटेशनल जीव विज्ञान, जैव प्रौदयोगिकी, जैव–सूचना विज्ञान और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• शिक्षा	एम.एड, एम.ए (शिक्षा) अथवा विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• कंप्यूटर विज्ञान और सूचना विज्ञान	एम.सी.ए, एम.टेक, एम.एस.सी (आईटी) अथवा विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• पर्यावरण विज्ञान	विज्ञान की किसी भी शाखा से स्नातकोत्तर (एम.ए) डिग्री
• गणित	गणित, सांख्यिकी, अनुप्रयोगात्मक गणित, औद्योगिक गणित, संक्रिया विज्ञान और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• समाज कार्य	समाज कार्य, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, विकासात्मक अध्ययन, सामाजिक नृविज्ञान और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• समाजशास्त्र	समाज कार्य, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, विकासात्मक अध्ययन, सामाज नृविज्ञान और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• अंग्रेजी	अंग्रेजी, तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद एवं निर्वचन, भाषा–विज्ञान और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• पुस्तकालय विज्ञान	पुस्तकालय विज्ञान, पुस्तकालय सूचना प्रणाली और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• हिंदी	हिंदी और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• संस्कृत	संस्कृत और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय
• भौतिकी एवं खगोल विज्ञान	भौतिकी, खगोल विद्या और विश्वविद्यालय द्वारा उपयुक्त पाए गए दूसरे विषय

न्यूनतम अर्हता अंक में छूट : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग वर्ग से आने वाले अभ्यर्थियों के मामले में न्यूनतम अर्हता अंकों में अधिकतम 5% तक की छूट दी जाएगी ।

महत्वपूर्ण

एम.फिल / पीएच.डी कार्यक्रमों की प्रवेश–सूचना बाद में घोषित की जाएगी ।

प्रवेश हेतु चयन के मानदंड

स्नातक कार्यक्रम

यूजी अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक सभी आवेदकों को 10+2 परीक्षा अथवा समकक्ष की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा । [बी.ए. (संस्कृत ऑनर्स) में प्रवेश के लिए वैसे अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत भारांक दिया जाएगा जिन्होंने प्राक्–शास्त्री भाग–II अथवा विशारद उत्तीर्ण की हो] ।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

सभी स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक सारे आवेदकों को फीट (फर्दर एजूकेशन एडमिशन टेस्ट) नामक एकल प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा ।

विभिन्न स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश फीट (एफईएटी) में प्राप्त किए गए अंकों एवं मैट्रिक, 10+2 एवं स्नातक के कुल अंकों के आधार पर प्राप्त कॉमपोसिट अंक की मेरिट के आधार पर होगा, जो इस प्रकार है :

क्रम सं .	कॉमपोसिट अंक के विभिन्न घटकों की भारिता	
	घटक	भारिता
1.	फीट में अर्जित अंक	50%
2.	10वीं के अंकों का प्रतिशत	10%
3.	10+2 के अंकों का प्रतिशत	10%
4.	स्नातक डिग्री में अंकों का प्रतिशत	30%
	कुल	100%

आरडी (एम.फिल./पीएच.डी) कार्यक्रम

आरडी कार्यक्रमों (एम.फिल./पीएच.डी) में प्रवेश निम्नलिखित तरीके से दिया जाएगा:

1. सर्वप्रथम विभिन्न विषयों में पीएचडी अध्ययन कार्यक्रमों की रिक्त सीटों को समेकित स्कोर में प्राप्त मेरिट के आधार पर भरा जाएगा । समेकित स्कोर की गणना इस प्रकार होगी:
   - i) शैक्षणिक स्कोर : 40% [पीजी (स्नातकोत्तर) परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता का 25% और यूजी (स्नातक) परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता का 15%]
   - ii) अनुसंधान योग्यता : 40%
     - जेआरएफ (JRF) के लिए 40 अंक [(यूजीसी, सीएसआईआर और आईसीएआर अथवा यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था द्वारा लिखित परीक्षा के आधार पर]; अथवा
     - नेट / सेट / स्लेट (NET/SET/SLET) के लिए 30 अंक; अथवा
     - न्यूनतम 60% अंक के साथ एमफिल (M.Phil) (यूजीसी विनियम 2009 के अनुसार) के लिए 20 अंक
   - iii) वैयक्तिक साक्षात्कार : 20%
2. वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग हेतु (क) शैक्षणिक स्कोर और (ख) अनुसंधान योग्यता के आधार पर एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी । **मेरिट के आधार पर प्रत्येक एक रिक्त सीट के लिए 10 अभ्यर्थियों को वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।**
3. अभ्यर्थी को वैयक्तिक साक्षात्कार के समय अपनी पसंद के अनुसार लगभग 1500 शब्दों में एक शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा । केवल उन्हीं अभ्यर्थी का साक्षात्कार लिया जाएगा जिन्होंने शोध प्रस्ताव जमा कराया है ।
4. यदि ऊपर बताई गई प्रक्रिया के अनुपालन के बाद भी विभिन्न विषयों की पीएचडी अध्ययन कार्यक्रमों में सीट भरती नहीं हैं तो समेकित (कॉमपोसिट) स्कोर की मेरिट के आधार पर रिक्त सीटों को भरा जाएगा । ऐसी स्थिति में समेकित स्कोर की गणना इस प्रकार होगी :
   - I) शैक्षणिक स्कोर : 40% [पीजी (स्नातकोत्तर) परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता का 25% और यूजी (स्नातक) परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता का 15%]
   - ii) प्रवेश पात्रता (ट्रीट) : 40% (डोमेन ज्ञान के लिए 15 अंक, शोध अभिक्षमता के लिए 15 अंक और लेखन कौशलों के लिए 10 अंक)
   - iii) वैयक्तिक साक्षात्कार : 20%
5. वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग हेतु शैक्षणिक स्कोर और ट्रीट के स्कोर के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाएगी । **प्रत्येक रिक्त सीट के लिए 15 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।**

6. अभ्यर्थी को वैयक्तिक साक्षात्कार के समय अपनी पसंद के अनुसार लगभग 1500 शब्दों में एक शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा । केवल उन्हीं अभ्यर्थी का साक्षात्कार लिया जाएगा जिन्होंने शोध प्रस्ताव जमा कराया है ।

7. प्रवेश के लिए न्यूनतम शर्तों को पूरा करने पर किसी अध्यापक जिसे यूजीसी द्वारा अध्यापक शोध अध्येतावृत्ति अवार्ड की गई है और वह किसी उच्चतर शिक्षण संस्थान में कार्यरत है तो उसे ट्रीट परीक्षा से छूट प्राप्त होगा और उसे नेट/स्लेट अर्हता अभ्यर्थियों के समकक्ष विचार किया जाएगा ।

8. हि.प्र.के.वि. में नियुक्त नियमित पात्र सहायक प्रोफेसरों (जो पीएचडी नहीं हैं) पीएचडी के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होंगे । पीएचडी के लिए इन–हाउस अध्यापक अभ्यर्थी और विदेशी नागरिकों /अनिवासी भारतीयों/ भारतीय मूल के व्यक्तियों को अधिसंख्य सीट श्रेणी में प्रवेश दिया जाएगा और उन्हें प्रवेश परीक्षा (ट्रीट) देने की आवश्यकता नहीं होगी । विदेशी विद्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मानकों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा ।

9. निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अधीन कोई व्यक्ति जो पहले से ही शिक्षण / अनुसंधान वृत्ति में रोजगार प्राप्त है उसे ट्रीट परीक्षा से छूट प्राप्त प्राप्त होगा और उसे नेट/स्लेट अर्हता अभ्यर्थियों के समकक्ष विचार किया जाएगा :

   i) वह अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता पूरी करता / करती हो ।

   ii) वह किसी राज्य या केन्द्रीय विश्वविद्यालय / सरकारी अथवा सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालय/ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान / सरकारी अनुसंधान संस्थान अथवा प्रयोगशाला में कम से कम 10 (दस) वर्षों से नियमित रूप से व्याख्याता / सहायक प्रोफेसर / एसोसिएट प्रोफेसर / प्रोफेसर / अथवा समकक्ष पद पर कार्यरत हो ।

   iii) अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश से संबंधित उसके आवेदन को वर्तमान नियोक्ता द्वारा इस वचनबंध के साथ विधिवत अग्रेषित होना चाहिए कि उसे पूर्णकालिक आधार पर इस अध्ययन कार्यक्रम को पढ़ने के लिए छुट्टी स्वीकृत की जाएगी ।

आवेदक जो प्रवेश की पात्रता नहीं रखता

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित के प्रवेश की पात्रता नहीं होगी :

क) ऐसा व्यक्ति जो विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा निलंबित, निष्कासित, विवर्जित, विनिष्काषित या विश्वविद्यालय नामावली से हटा दिया गया हो

ख) ऐसा व्यक्ति जिसने किसी समय इस विश्वविद्यालय के पीएच.डी कार्यक्रम में प्रवेश लिया हो अथवा इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से पीएच.डी की डिग्री प्राप्त कर लिया हो, वह इस विश्वविद्यालय के उसी या कोई अन्य स्नातक / स्नातकोत्तर / एम.फिल/ पीएच.डी कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं होगा ।

ग) ऐसा व्यक्ति जिसने किसी समय इस विश्वविद्यालय के एम.फिल कार्यक्रम में नामांकन कराया हो अथवा इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से एम.फिल की डिग्री प्राप्त कर लिया हो, वह इस विश्वविद्यालय के उसी या कोई अन्य स्नातक / स्नातकोत्तर / एम.फिल कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं होगा ।

घ) ऐसा व्यक्ति जिसने किसी समय इस विश्वविद्यालय के एम.ए. कार्यक्रम में नामांकन कराया हो अथवा इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से एम.ए की डिग्री प्राप्त कर लिया हो, वह इस विश्वविद्यालय के उसी या कोई अन्य स्नातक / स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पात्र नहीं होगा ।

ड.) ऐसा व्यक्ति जिसने किसी समय इस विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में नामांकन कराया हो अथवा इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त कर लिया हो, वह इस विश्वविद्यालय के उसी या कोई अन्य स्नातक कार्यक्रम के पात्र नहीं होगा ।

च) परंतु यह कि प्रवेश समिति और प्रवेश समीक्षा समिति की अनुशंसा पर कुलपति महोदय द्वारा क्रमिक रूप से गुणवत्तापूर्ण अकादमिक रिकार्ड वाले, मेधावी और कुशाग्र व्यक्ति को दूसरी बार स्नातक / स्नातकोत्तर कार्यक्रम में

प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया

1) सभी नामांकन प्रवेश अधिसूचना एवं विवरणिका के जारी होने के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर आधारित होगा ।

2) विवरणिका एवं आवेदन–प्रपत्र निम्नलिखित से प्राप्त किये जा सकते हैं :

- **ऑनलाइन :** विश्वविद्यालय की वेबसाइट (**www.cuhimachal.ac.in**) से निःशुल्क डाउनलोड करें ।
- स्वयं प्राप्त करें : 100 /– रु. के नगद भुगतान द्वारा निम्नलिखित जगहों से प्राप्त करें :
  - अस्थायी शैक्षणिक खंड, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, शाहपुर, जिला – कांगड़ा (हि.प्र), पिन कोड – 176206
  - कैंप कार्यालय, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, पोस्ट बाक्स 21, धर्मशाला, जिला – कांगड़ा (हि.प्र) –176215
- **पोस्ट द्वारा :** वित्त अधिकारी, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पक्ष में धर्मशाला, जिला–कांगड़ा (हि.प्र) में देय 150 /– रु. का ड्राफ्ट निम्नलिखित पता पर भेजें :
  - अस्थायी शैक्षणिक खंड, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, शाहपुर, जिला – कांगड़ा (हि.प्र), पिन कोड – 176206

3) विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन अग्रलिखित तौर पर भरे जा सकते हैं :

क) **ऑनलाइन आवेदन :** अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट (**www.cuhimachal.ac.in**) पर दिए गए लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं । आवेदन शुल्क विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों के अनुसार दिया जा सकता है ।

ख) **हार्ड कापी :** यदि आवेदक ऑनलाइन आवेदन में सक्षम नहीं हैं तो वह आवेदन पत्र डाउनलोड / विश्वविद्यालय से प्राप्त कर सकता है । पूर्णतया भरा हुआ आवेदन ड्राफ्ट के रूप में अप्रतिदेय आवेदन शुल्क के साथ भेजा जाए । ड्राफ्ट वित्त अधिकारी, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पक्ष में धर्मशाला, जिला – कांगड़ा (हि.प्र) में देय होगा ।

4) विभिन्न वर्गों के आवेदकों के लिए एम.ए / शोध कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन शुल्क निम्नलिखित है :

क) **सामान्य वर्ग :** 400 /– रु. (बी.वोक. के लिए 200 /– रु.)

ख) **अन्य पिछड़ा वर्ग :** 300 /– रु. (बी. वोक. के लिए 150 /–रु.)

ग) **अनु. जाति / अनु. जनजाति / दिव्यांग वर्ग :** 100 /–रु. (बी. वोक. के लिए 50 /– रु.)

5) **आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि :** एम.ए कार्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्णतया भरा हुआ आवेदन **06 जून, 2016 तक** या उसके पूर्व विश्वविद्यालय तक अवश्य पहुँच जाए ।

6) आवेदक एक ही आवेदन–पत्र में **दो अध्ययन कार्यक्रमों** को वरीयता क्रम में स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए आवेदन कर सकता है ।

7) प्रवेश हेतु आवेदक को अपने वरीयता क्रम के अनुरूप आवेदन–पत्र में **दो अध्ययन कार्यक्रमों** को इंगित करना होगा । प्रवेश सख्तीपूर्वक मेरिट के आधार पर किया जाएगा । आवेदक के आवेदन–पत्र में विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों की वरीयता के अनुसार मेरिट का निर्माण चयन मानदंड में प्राप्त संयुक्त अंकों के आधार पर तैयार किया जाएगा ।

प्रवेश में सीटों का आरक्षण

1. विश्वविद्यालय समय–समय पर यथा संसोधित केन्द्रीय शैक्षणिक संस्थाओं (सीटों का आरक्षण) अधिनियम 2006 के अंतर्गत आज्ञापित प्रवेश में आरक्षण का अनुपालन करेगा ।

2. विश्वविद्यालय सभी अध्ययन कार्यक्रमों के लिए प्रवेश में आरक्षण हेतु निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 का भी अनुपालन करेगा ।

3. (क) तदनुसार, विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय सभी अध्ययन कार्यक्रमों में आरक्षण का निम्नलिखित प्रावधान करेगा :

(i)	अनुसूचित जाति श्रेणी	15.0%
(ii)	अनुसूचित जनजाति श्रेणी	7.5%
(iii)	अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी	27.0%
(iv)	दिव्यांग व्यक्ति (पीडबल्यूडी)	3.0%

- व्यक्ति जो निःशक्तता के लिहाज से चालीस प्रतिशत से कम नहीं है (40%) और जिन्हें सक्षम चिकित्सकीय अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया है उन्हें दिव्यांग वर्ग में प्रवेश दिया जाएगा ।
- दिव्यांग विद्यार्थियों को शुल्क में छूट, निःशुल्क आवास, भोजन और परिवहन की सुविधा होगी।

(v) कश्मीरी प्रवासी विद्यार्थियों को अकादमिक वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु अग्रलिखित रियायत दी जाएंगी :

- विषय से संबंधित न्यूनतम अर्हता में 10% तक की छूट दी जाएगी
- पाठ्यक्रम के अनुरूप विद्यार्थियों के प्रवेश की इन्टेक में 5% तक वृद्धि
- तकनीकी / व्यावसायिक संस्थानों में मेरिट कोटा में कम से कम एक सीट का आरक्षण
- निवास प्रमाण–पत्र की आवश्यकता से मुक्ति

(vi) जम्मू तथा कश्मीर राज्य के विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए सुपरनुमेररी कोटा के अंतर्गत दो सीट उपलब्ध होंगी ।

4. आरक्षित श्रेणियों में प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को वांछित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु निर्धारित शर्तों को पूरा करना आवश्यक है ।

5. आरक्षित श्रेणियों के आवेदकों को आवेदन फार्म के साथ आवेदन के साथ संलग्न फॉर्मेट में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए जाति / जनजाति / नॉन–क्रीमी–लेयर के लिए प्रमाण–पत्र को जमा कराना आवश्यक है ।

6. आवश्यक प्रमाण–पत्रों के बगैर प्राप्त आवेदन–फार्म अस्वीकृत कर दिए जाएंगे ।

7. यदि आरक्षित श्रेणी का कोई आवेदक प्रवेश हेतु सामान्य वर्ग में चयनित होता है तो उसे सामान्य वर्ग के आवेदक के तौर पर माना जाएगा । यदि अनुसूचित जनजाति के रिक्त सीटों को भरने के लिए आवेदक उपलब्ध नहीं हैं तो ऐसी स्थिति में रिक्त सीटों को अनुसूचित जाति के आवेदकों से भरा जाएगा और स्थिति अनुसार विपरीत क्रम अपनाया जाएगा ।

विदेशी नागरिकों/अनिवासी भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों का प्रवेश – अधिसंख्य सीट

(i) सभी पाठ्यक्रमों में विदेशी नागरिकों, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों के श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए 15% स्थान अधिसंख्य स्थान (सीट) के रूप में भरा जाएगा । उपुर्यक्त 15% अधिसंख्य स्थानों में से एक तिहाई स्थान खाड़ी देशों के भारतीय मजदूरों के बच्चों के लिए उद्दिष्ट होगा ।

(ii) विदेशी नागरिकों / अनिवासी भारतीय / भारतीय मूल के व्यक्ति के श्रेणी के अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के एकल संयुक्त प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी, परंतु प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा । इसके अतिरिक्त, उन्हें विश्वविद्यालय के विवरणिका में यथाविनिर्दिष्ट विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए यथानिर्धारित सैट / जीमैट / जीआरई/ टोयफेल जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य अभिक्षमता परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त करना आवश्यक होगा ।

(iii) इन श्रेणियों के विद्यार्थियों को उनके विगत शैक्षणिक रिकॉर्ड के अथवा उच्चतर शिक्षा में प्रवेश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित अभिक्षमता परीक्षाओं अथवा इन दोनों के समूहन के बाद मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा, जिसके अन्तर्गत विभिन्न देशों के नागरिकों को अवसर देने की आवश्यकता को महत्व दिया जाएगा ।

(iv) अधिसंख्य स्थानों के उपुर्यक्त कोटा के अन्तर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विवरणिका में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित प्रपत्र में अपने आवेदन पूरे वर्षभर परंतु 30 अप्रैल के बाद नहीं, विदेशी छात्र सलाहकार (एफएसए) के कार्यालय में जमा कराने होंगे ।

(v) प्रवेश के लिए आवेदन को सभी आवश्यक दस्तावेजों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रपत्रों के साथ संबंधित स्कूल अधिष्ठाता / विभागाध्यक्ष को जमा कराया जाना चाहिए ।

(vi) विदेशी नागरिकों / अनिवासी भारतीयों / भारतीय मूल के व्यक्ति श्रेणी के अन्तर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को उनकी श्रेणी के लिए यथाप्रयोज्य शुल्क और अन्य प्रभारों का और शुल्क संरचना से संबंधित अध्यादेशों में यथाविनिर्दिष्ट और विवरणिका में यथाअधिसूचित के अनुसार भुगतान करना होगा ।

(vii) विदेशी नागरिकों / भारतीय मूल के व्यक्ति श्रेणी के अन्तर्गत प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों को प्रवेश की तिथि से एक सप्ताह के अंदर चिकित्सा परीक्षण (एचआईवी एड्स परीक्षण सहित) करवाना होगा ।

(viii) विदेशी नागरिकों / भारतीय मूल के व्यक्ति श्रेणी के अन्तर्गत प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलने की तिथि से एक माह के अंदर परंतु शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व विद्यार्थी वीजा प्रस्तुत करना होगा और इसकी प्रति विदेशी छात्र सलाहकार के कार्यालय में जमा करवाना होगा, जिसमें चूक होने पर उनके प्रवेश को रद्द कर दिए जाएंगे ।

प्रवेश औपचारिकताओं का पूरा करना

(i) किसी भी अभ्यर्थी को अधिकार के रूप में प्रवेश का दावा करने की पात्रता नहीं होगी और विश्वविद्यालय को यह अधिकार होगा कि बिना कोई कारण बताए किसी व्यक्तिगत मामले में प्रवेश को अस्वीकार कर दे ।

(ii) किसी अभ्यर्थी को किसी पाठ्य कार्यक्रम में तभी प्रवेश प्राप्त माना जाएगा और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में विशेषाधिकारों को प्राप्त करने की पात्रता तभी होगी जब अभ्यर्थी ने विवरणिका के अनुसार निर्धारित शुल्क के भुगतान सहित प्रवेश संबंधी सभी औपचारिकताओं को पूरा कर दिया है । यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक प्रवेश संबंधी औपचारिकताओं को पूरा नहीं करता/करती है तो उसके प्रवेश का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाएगा ।

(iii) चयनित अभ्यर्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर और परीक्षा नियंत्रक तथा संबंधित स्कूल / विभाग के सूचना बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाएगा । चयनित अभ्यर्थियों को डाक द्वारा कोई भी सूचना भेजी **नहीं** जाएगी ।

(iv) अभ्यर्थियों को समय–सारणी में दी गई तिथि तक अपना प्रवेश प्राप्त कर लेना होगा ।

(v) प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय/अंतिम तिथि तक सत्यापन के लिए निम्नलिखित मूल दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा :

क) सभी शैक्षिक अर्हताओं के प्रमाण–पत्र, डिप्लोमा, डिग्री, अंक–पत्र ।

ख) कार्यरत विद्यार्थियों के मामले में, नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण–पत्र जिसमें स्पष्ट रूप से यह उल्लेख हो कि अभ्यर्थी द्वारा विश्वविद्यालय से पूर्णकालिक आधार पर उच्च शिक्षा ग्रहण करने के संबंध में नियोक्ता को कोई आपत्ति नहीं है ।

ग) अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करने और विश्वविद्यालय में प्रवेश के वर्ष के बीच अंतराल होने के मामले में अभ्यर्थी को अंतराल का कारण बताते हुए बीच की अवधि के दौरान कार्य संबंधी शपथ–पत्र जमा करना आवश्यक होगा ।

घ) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग प्रमाणपत्र (जो भी लागू होता हो)

ड.) कश्मीरी प्रवासी प्रमाणपत्र, यही लागू होता हो

च) स्थायी निवासी प्रमाणपत्र

(vi) प्रवेश केवल उन्हीं विद्यार्थियों को दिया जाएगा, जिनके परिणाम अर्हता परीक्षाओं के संबंध में सभी दृष्टियों से पूर्ण हों।

(vii) किसी अध्ययन कार्यक्रम में अभ्यर्थियों को प्रवेश विश्वविद्यालय के कुलानुशासक से अनुमति के अधीन होगा।

(viii) ऐसे अभ्यर्थियों, जो इस विश्वविद्यालय अथवा किसी अन्य विश्वविद्यालय / शैक्षिक संस्थान / बोर्ड से सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा / डिग्री / स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के तीन अथवा अधिक शैक्षणिक वर्षों बाद प्रवेश चाहते हैं, ऐसे अभ्यर्थियों का प्रवेश डीन (अधिष्ठाता) छात्र–कल्याण, संबंधित स्कूल के डीन (अधिष्ठाता), संबंधित विभागाध्यक्ष और कुलानुशासक से युक्त प्रवेश समीक्षा समिति द्वारा अनुमति के अधीन होगा ।

(ix) प्रवेश के समय, प्रत्येक विद्यार्थी को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करना होगा कि वह अपने को विश्वविद्यालय के कुलपति तथा अन्य प्राधिकारों के अनुशासनिक क्षेत्राधिकार के अधीन समर्पित करता है ।

(x) किसी अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त सभी विद्यार्थियों को प्रवेश की तिथि के 30 दिनों के अंदर मूल स्थानांतरण

प्रमाण–पत्र / प्रवास प्रमाण–पत्र जमा कराना आवश्यक होगा, जिसमें चूक होने पर विश्वविद्यालय में प्रवेश को रद्द कर दिया जाए ।

(xi) पंजीकरण के समय अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद ही प्रवेश मान्य होगा।

प्रवेश से संबंधित सामान्य नियम

(i) विश्वविद्यालय प्रत्येक लिंग के व्यक्तियों एवं सभी जाति, मत, प्रजाति या वर्ग के लिए खुला होगा तथा विश्वविद्यालय के अध्यापक के रूप में नियुक्त किए जाने या उसमें कोई पद धारण करने या विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में प्रवेश या वहाँ से शिक्षा ग्रहण करने या उसके किसी विशेषाधिकार का उपयोग या प्रयोग में किसी व्यक्ति की हकदारी में किसी परीक्षा में किसी धार्मिक विश्वास या वृत्ति के आधार पर भेदभाव करना विश्वविद्यालय के लिए विधिसम्मत नहीं होगा ।

(ii) विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय का अखिल भारतीय स्वरूप तथा शिक्षण एवं अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखा जाएगा और विद्यार्थियों का प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा एकल रूप से अथवा अन्य विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त रूप से संचालित राष्ट्र स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पूर्णतया मेरिट के अनुसार किया जाएगा ।

(iii) किसी भी अभ्यर्थी जो विश्वविद्यालय के किसी पूर्णकालिक अध्ययन कार्यक्रम में अध्ययनरत है, विश्वविद्यालय की पूर्व अनुमति और स्पष्ट आदेश के बिना रोजगार प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

i) बशर्ते यह कि जो अभ्यर्थी प्रवेश के समय पहले से ही कार्यरत है, अपने नियोक्ता से तीस दिनों के अंदर मूल प्रमाणपत्र जमा कराएगा कि उसके नियोक्ता ने इस विश्वविद्यालय के अध्ययन कार्यक्रम हेतु अध्ययन कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान अध्ययन के लिए अभ्यर्थी को छुट्टी प्रदान कर दी है ।

ii) बशर्ते आगे यह कि उपर्युक्त से अभ्यर्थी को अनिवार्य या वैकल्पिक कार्य / स्थानन के लिए कोई निषेध, वर्जन या छूट प्राप्त नहीं होगा यदि उसने जिस अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश लिया है, उसको पूरा करने के लिए ऐसा करना आवश्यक होगा ।

iv) किसी भी विद्यार्थी, जो विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक अध्ययन कार्यक्रम में अध्ययनरत है, को इस विश्वविद्यालय या कोई अन्य शिक्षण संस्थानों से किसी अन्य डिग्री के लिए कोई अन्य नियमित परीक्षा देने की अनुमति नहीं होगी। तथापि संबंधित अधिष्ठाता की पूर्व अनुमति से विद्यार्थी को जीविकोन्मुख दक्षता / सर्टिफिकेट / डिप्लोमा कार्यक्रमों को नियमित कार्यक्रम के साथ–साथ हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय / शैक्षिक संस्थानों / बोर्ड इत्यादि से पाठ्यक्रम (कोर्स) करने की पात्रता होगी ।

v) बशर्ते आगे यह कि किसी विद्यार्थी को एक सत्र के लिए निर्धारित न्यूनतम से भी अतिरिक्त कोर्स की भी अनुमति दी जा सकती है । ऐसे मामले में, निम्नलिखित शर्तें लागू होंगे:

क) विद्यार्थी को अतिरिक्त पंजीकृत कोर्स के लिए शुल्क का भुगतान करना होगा

ख) विद्यार्थी के अंक–पत्र ऐसे कोर्स पढ़े गए अतिरिक्त कोर्स के रूप में दिखाए जाएंगे

ग) लिए गए अतिरिक्त कोर्स डिग्री प्रदान किए जाने हेतु कुल क्रेडिटों की गणना में जोड़ा नहीं जाएगा

(vi) इसी तरह, एक व्यक्ति जो किसी और विश्वविद्यालय का छात्र नहीं है और इस विश्वविद्यालय के अध्ययन के किसी भी कार्यक्रम के लिए पंजीकृत नहीं है, संबंधित स्कूल के अधिष्ठाता की पूर्व अनुमति के साथ निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हुए विश्वविद्यालय के चुनिंदा पाठ्यक्रमों के लिए रजिस्टर कर सकता है:

क) एक सेमेस्टर में दो पाठ्यक्रमों से अधिक की अनुमति नहीं होगी

ख) व्यक्ति को पाठ्यक्रम को करने के लिए न्यूनतम पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा

ग) व्यक्ति को प्रति सेमेस्टर अप्रतिदेय पंजीकरण शुल्क 2000/– रुपये के साथ पाठ्यक्रम पर लागू ट्यूशन शुल्क दुगुनी दर से भुगतान करना होगा

घ) व्यक्ति को विश्वविद्यालय का विद्यार्थी नहीं समझा जाएगा और इसलिए वह विश्वविद्यालय के सामान्य छात्र को प्राप्त विशेषाधिकारों का पात्र नहीं होगा । हालांकि, वह विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र के अधीन ही अध्ययन कर सकेगा

ड.) चुने गए पाठ्यक्रमों की सभी निर्धारित आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद व्यक्ति को विश्वविद्यालय से एक प्रशंसापत्र की पात्रता होगी । हालांकि, वह विश्वविद्यालय के किसी सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / डिग्री प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होगा ।

(vi) किसी भी समय यदि यह पाया जाता है कि यदि किसी

अभ्यर्थी ने प्रवेश प्राप्त करने के लिए झूठ या गलत विवरण अथवा झूठ या गलत सूचना दी है या प्रवेश प्राप्त करने के लिए किसी कपटपूर्ण साधनों का इस्तेमाल किया है, तो अभ्यर्थी का नाम विश्वविद्यालय की नामावली से हटा दिया जाएगा ।

(vii) विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी विश्वविद्यालय के 'ए हॉल ऑफ रेसिडेंस होस्टल' या 'नॉन रेसीडेंट स्टूडेंट सेंटर' का सदस्य होगा ।

(viii) किसी अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को प्रथम सत्र में उपस्थिति की कमी के कारण रोक दिया जाता है, वह तब से विश्वविद्यालय का छात्र नहीं रहेगा । ऐसे विद्यार्थी को फिर से प्रवेश लेना होगा और उसे प्रवेश से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को पूरा करना होगा ।

प्रवेश परीक्षा केन्द्र

क्र.सं.	परीक्षा केन्द्र शहर	कोड		क्र.सं.	परीक्षा केन्द्र शहर	कोड
1	धर्मशाला (हि.प्र.)	01		10	पुणे (महाराष्ट्र)	10
2	मंडी (हि.प्र.)	02		11	अहमदाबाद (गुजरात)	11
3	रामपुर बुशहर (हि.प्र.)	03		12	चेन्नई (तमिलनाडू)	12
4	शाहपुर (हि.प्र.)	04		13	हुबली (कर्नाटक)	13
5	शोलन (हि.प्र.)	05		14	भुवनेश्वर (ओडीशा)	14
6	बठिंडा (पंजाब)	06		15	सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)	15
7	चंडीगढ़	07		16	गुवाहाटी (असम)	16
8	हिसार (हरियाणा)	08		17	इंफाल (मणिपुर)	17
9	वाराणसी (उ.प्र.)	09		18	दिल्ली	18

किसी भी प्रवेश परीक्षा केन्द्र के लिए आवेदकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए, परीक्षा केन्द्र को बदलने या रद्द करने का पूरा अधिकार हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को होगा ।

शैक्षणिक कैलेंडर 2016–17

शैक्षणिक कैलेंडर और कक्षाओं का प्रारंभ अध्ययन के सभी कार्यक्रमों के लिए यथा संशोधित दिशानिर्देशों / नियमों यूजीसी / या अन्य राष्ट्रीय स्तर के नियामक निकायों द्वारा जारी किए निर्देशों के अनुरूप होगा। शैक्षणिक सत्र 2016–17 का आयोजन नीचे दिए गए विवरण के अनुरूप किया जाएगा:

मानसून सत्र	
कार्यकलाप	तिथियां
कक्षा का प्रारंभ	1 अगस्त, 2016
मध्यावधि परीक्षा (मिड टर्म)	10 से 22 अक्टूबर, 2016
सत्रांत परीक्षा	07 से 21 दिसंबर, 2016
शीतकालीन अवकाश	23 दिसंबर, 2016 से 22 जनवरी, 2017
सेमेस्टर समाप्त	22 जनवरी, 2017

स्प्रिंग सत्र	
कार्यकलाप	तिथियां
कक्षा का प्रारंभ	23 जनवरी, 2017
मध्यावधि परीक्षा (मिड टर्म)	27 मार्च से 5 अप्रैल, 2017
सत्रांत परीक्षा	12 जून से 27 जून, 2017
ग्रीष्मकालीन अवकाश	01 जुलाई से 31 जुलाई, 2017
सेमेस्टर समाप्त	31 जुलाई, 2017
ऑन–द–जॉब ट्रेनिंग / फील्ड वर्क	31 जुलाई, 2017

ऑनलाइन आवेदन

अभ्यर्थी द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट **(www.cuhimachal.ac.in)** पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से भी **ऑनलाइन आवेदन** किया जा सकता है । आवेदन से पूर्व वे सभी अनुदेशों को ध्यान से पढ़ें । आवेदन शुल्क के भुगतान को निम्नलिखितों में से किसी एक माध्यम से ऑनलाइन कराया जा सकता है:

- किसी बैंक का **डेबिट कार्ड** (विजा/मास्टर कार्ड/मैएस्ट्रो)
- सभी प्रमुख **क्रेडिट कार्ड**
- **पोस्ट ऑफिस** (चालान में विवरण को भरकर नजदीकी पोस्ट ऑफिस में जमा कराएं)

ऑनलाइन आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि – 06 जून, 2016

सर्टिफिकेट/स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्य कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु शुल्क की सूची

फीस / निधि मद	एमबीए/एमबीए (टीटी)/ एमएससी/ एमएसडब्ल्यू/ भौतिकी में बीएससी ऑनर्स	एमए / एमएलआईएस	यूजी अध्ययन कार्यक्रम	सर्टिफिकेट
एकबारीय				
पूर्व छात्र पंजीकरण शुल्क	100	100	10	00
सुरक्षा जमा / अवधान राशि (रिफंडेबल)	3000	100	500	500
विश्वविद्यालय पंजीकरण / नामांकन शुल्क	500	500	100	100
प्रति सेमेस्टर				
परीक्षा शुल्क	600	500	200	150
अनुसंधान पर्यवेक्षण शुल्क	00	00	00	00
विषय एसोसिएशन निधि	200	50	00	00
शिक्षण अधिगम संसाधन निधि	400	50	20	20
ट्यूशन शुल्क	2400	1000	500	100
प्रवेश शुल्क	500	100	100	50
कैम्पस विकास एवं सौंदर्यीकरण निधि	100	20	10	10
दीक्षांत समारोह शुल्क	50	50	50	00
सांस्कृतिक गतिविधियां निधि	50	20	20	20
विकास शुल्क	500	50	50	10
विद्युत और जल शुल्क	100	100	100	20
स्थापना–दिवस समारोह शुल्क	50	30	50	20
खेलकूद और क्रीड़ा निधि	50	50	50	20
सूचना संचार प्रौद्योगिकी लैब शुल्क	100	10	10	10
लैंग्वेज / प्रैक्टिकल लैब शुल्क	200	100	100	10
पुस्तकालय शुल्क	100	20	20	10
पत्रिका शुल्क	50	50	50	20
चिकित्सा शुल्क	50	50	50	10
अनिवासी छात्र केंद्र शुल्क	00	00	00	00
छात्र कल्याण निधि	100	50	50	20
कुल प्रति सेमेस्टर	**5600**	**2300**	**1430**	**500**

नोट :

विद्यार्थियों द्वारा देय शुल्क शैक्षणिक परिषद की संस्तुति पर कार्यकारिणी परिषद द्वारा निर्धारित किया जाता है जिसे विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर जारी प्रवेश ब्रोशर / विवरणिका में अधिसूचित किया जाता है ।

1. प्रोफेशनल विकास निधि के लिए अतिरिक्त शुल्क प्रभारित किया जाएगा, जो इस प्रकार होगा:
   क) एमबीए/एमबीए(टीटी)/एमएसडब्ल्यू/एमएससी/बीएससी ऑनर्स में नामांकित विद्यार्थियों से प्रति सेमेस्टर 4000/– रुपये
   ख) अन्य पीजी अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश–प्राप्त विद्यार्थियों से प्रति सेमेस्टर 1000/– रुपये
2. ऑडिट कोर्स प्रस्तावित करने के लिए ट्यूशन शुल्क और 'आई' ग्रेड के लिए प्रति क्रेडिट 100/– रुपये होगा ।
3. 'एफ', 'आई' ग्रेड और ऑडिट कोर्स के लिए परीक्षा शुल्क प्रति क्रेडिट 100/– रुपये होगा ।

नोट : संस्कृत के किसी भी अध्ययन कार्यक्रम के लिए कोई भी ट्यूशन शुल्क और प्रवेश शुल्क प्रभारित नहीं किया जाएगा ।

10 महीने के लिए छात्रावास शुल्क की सूची (स्नातकोत्तर)

ब्योरे	शुल्क (रु. में)	कुल (वार्षिक)
छात्रावास प्रवेश शुल्क (नॉन रिफंडेबल)	500.00 (एक बार)	500
छात्रावास सुरक्षा शुल्क (रिफंडेबल)	1000.00 (एक बार)	1000
कमरे का किराया	500.00 (एक माह)	5000
विद्युत और जल प्रभार	150.00 (एक माह)	1500
छात्रावास स्थापना प्रभार	150.00 (एक माह)	1500
रसोई स्थापना प्रभार	150.00 (एक माह)	1500
कुल योग		11000

12 महीने के लिए छात्रावास शुल्क की सूची (आरडी शोधार्थियों हेतु)

ब्योरे	शुल्क (रु. में)	कुल (वार्षिक)
छात्रावास प्रवेश शुल्क (नॉन रिफंडेबल)	500.00 (एक बार)	500
छात्रावास सुरक्षा शुल्क (रिफंडेबल)	1000.00 (एक बार)	1000
कमरे का किराया	500.00 (एक माह)	6000
विद्युत और जल प्रभार	150.00 (एक माह)	1800
छात्रावास स्थापना प्रभार	150.00 (एक माह)	1800
रसोई स्थापना प्रभार	150.00 (एक माह)	1800
कुल योग		12900

स्मरणीय बातें

वर्ष 2016–17 में प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रम

1. एमएससी भौतिकी
2. एमएससी गणित
3. एमएससी (कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैवसूचना)
4. एमएससी (सूचना प्रौद्योगिकी)
5. एमएससी (पर्यावरण विज्ञान)
6. एमबीए
7. मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू)
8. एमए (समाजशास्त्र)
9. एमए (अर्थशास्त्र और लोक नीति)
10. एमबीए (यात्रा और पर्यटन में विशेषज्ञता)
11. एमए (शिक्षा)
12. एमए (पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन)
13. एमए (न्यू मीडिया संचार)
14. एम लिब एससी
15. एमए (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य)
16. एमए (हिन्दी)
17. एमए (संस्कृत)
18. बीएससी (भौतिकी ऑनर्स)
19. बीए (संस्कृत ऑनर्स)
20. बी.वोक. (जनसंचार)
21. बी.वोक. (वित्तीय और विपणन सेवाएं)
22. गोजरी भाषा में सर्टिफिकेट
23. गुर्जर इतिहास और संस्कृति में सर्टिफिकेट

Components of Feat (Common Entrance Examination)

1. The Entrance test will have two Papers:

Paper -I (Aptitude Test): Paper-I will be compulsory and common for all the candidates and will have four sections.

Section A: Logical reasoning and Analytical ability (15 marks)

- Sequence and series
- Blood relations
- Direction tests
- Puzzle test
- Logical reasoning based on arrangements

Section B: General mental ability test (15 marks)

- Logical deduction
- Statements and conclusions
- Statement and course of action
- Assertion and reasons
- Verbal and non-verbal reasoning

Section C: Comprehension ability and situation analysis (15 marks)

Section D: Quantitative Aptitude (15 marks)

- Percentage
- Average
- Ratio and proportions
- Simplification
- Permutations and combinations

Paper-II: Paper-II will be discipline specific and aimed to assess the knowledge of the subject in which the applicant wants to seek the admission. It will have four sections as specified by the concerned department (60 MCQ type questions of one mark each)

2. There shall be no negative marking.
3. The candidate will have to choose one correct answer and mark on OMR sheet. However if a candidate marks multiple entries in the OMR sheet for particular question(s), it will be treated as cancelled.
4. Each correct answer will carry 01 mark.
5. In case a candidate appears in subject other than that specified in his/her application form/admit card, his/her exam will be cancelled. It is the responsibility of the candidate to appear in correct paper prescribed for the chosen Programme of Study.

   Use of any unfair means shall automatically disqualify the candidate from FEAT-2016.

Syllabus for Feat- 2016

MA English

Section A : Major Literary Terms

Section B :Major Poets (John Milton, Alexander Pope, William Wordsworth, William Blake, John Keats, Robert Frost, Rabindranath Tagore, Derek Walcott, Alfred Lord Tennyson and Robert Browning)

Section C : Major Novelists(Jane Austen, Charles Dickens, Thomas Hardy, R.K. Narayan, Kamla Markandya, Mark Twain, Charlotte Bronte, Virginia Woolf, V.S. Naipaul, William Golding, Bhisham Sahani)

Section D : Major Dramatists(William Shakespeare, Christopher Marlowe, G.B. Shaw, John Osborne, Harold Pinter, Vijay Tendulkar, Sophocles, Samuel Beckett, Bertolt Brecht, Arthur Miller)

MA Hindi

- हिन्दी साहित्य का इतिहास
- हिन्दी भाषा का विकास
- हिन्दी कथा साहित्य(कहानी + उपन्यास)
- काव्य शास्त्र (भारतीय + पाश्चात्य)

MA Sanskrit

वैदिकवाङ्मयः संहिताः,ब्राह्मणानि,आरण्यकाणि,उपनिषदः, वेदाङ्गानि

व्याकरणम् : शब्द-धातुरूपाणि, सन्धि-कारक-समासाः, प्रत्ययाः, अनुवादः

संस्कृतसाहित्यम् : काव्यानि, नाटकानि, छन्दांसि, अलङ्काराः,कविपरिचयः

पुराणेतिहासं दर्शनानि चः रामायणम्, महाभारतम्, श्रीमद्भगवद्गीता, षड्दर्शनानि, स्मृतयः, पुराणानि

MA Journalism and Creative Writing

- **General Awareness**History of Media, Prominent Personalities Associated with Print

Media, and other Media related issues.

- **Current Affairs** Current Debates on Media, Awards & Honours, Policy Matters, latest happenings and other Media related issues
- **Print Media**Reporting, Editing, Media Management, Development Journalism, Public Relations, Advertising
- **Electronic Media** Radio, Television, Film Studies, New Media, Online Media

M.Sc. in Computational Biology and Bioinformatics

Considering the interdisciplinary and integrative nature of the subject and to give equal opportunity to students coming from various disciplines, the questions requiring thinking and analysis in the following subjects will be asked in the entrance exam and equal weightage will be given to each paper. Following will be the composition:

	Subject	Number of Questions
1.	Physics	20%
2.	Chemistry	20%
3.	Mathematics (including Statistics)	20%
4.	Computer Sciences	20%
5.	Biology (Botany, Zoology, Biochemistry, Molecular Biology, Genetics, Microbiology etc.)	20%

All the above sections will be given equal proportion and the questions will be designed from the ***bachelor's level syllabus.***

MA Economics

- **General Economic Awareness**Indicators of Growth and Development, Trends in Poverty, Unemployment and Economic Growth in India, Indian Economic Institutions (Objectives, Functions & Organizational Structure): Planning Commission (Niti Ayog), Finance Commission, Reserve Bank of India , Economic Reforms in India, Trends in Liberalization, Privatization and Globalization in India, Exports and Imports in India, World Trade Organization (WTO) Agreement, International Economic Institutions (Objectives & Functions): World Bank, International Monetary Fund (IMF)
- **Mathematics I**

Set Theory, Linear and Quadratic Equations, Functions, Exponential and Logarithmic Functions,
Matrix Operation (Addition, Subtraction, and Multiplication)

- **Mathematics II**

Limits & Continuity, Derivatives, Higher Order Derivatives, Partial Derivatives,
Maximum/Minimum of a Function (One variable), Integration

- **Statistics**

Univariate distributions: Frequency table, Histogram
Central tendency: Mean, Median, Mode, Harmonic Mean, and Geometric Mean.
Measures of Dispersion: Range, Interquartile range (IQR), Mean deviation, Standard deviation, Coefficient of variation (CV),
Correlation Analysis- Simple correlation, Partial correlation (three variables), multiple correlation (three variables), and Rank correlation
Probability: Basic concepts of probability, Venn diagram, Joint probability, Conditional probability, Permutations and Combinations.

MSc IT (Information Technology)

Section-A (30 % weightage)

Fundamental of Computer: History ofcomputer, classification of computer, characteristics of computer, application of computer, hardware, software, firmware, CPU, memory hierarchy, I/O devices, number system, Boolean algebra, introduction to internet and email.
Programming in C and C++: Control structures, data structures (arrays, records included), data types, and functions, subroutines, parameter passing mechanism, Pointers, scope and lifetime of variables. Procedural and Problem oriented programming languages, Top-Down Programming, Bottom-up programming, Object Oriented Programming, Essentials of OOPs (Encapsulation, Overloading, Inheritance, Polymorphism) Object, Classes, Constructors, Destructors, and Exception Handling.
Computer Architecture: Overview of basic digital building blocks; basic structure of a digital computer. Combinatorial logic (multiplexers, decoders, encoders comparators, arithmetic operators included) sequential circuits (flip flops, counter and shift register).

Section-B (30 % weightage)

Computer organization: Introduction, system buses and instructions cycles, memory subsystem organization and interfacing, and I/O subsystem organizations.
Basics of Operating System: Introduction of operating system, classification of operating system, Structure of operating system, Process management and scheduling, memory management, file systems, IO management.

Data Communication & Computer Networks: Introduction, data Transmission mode- simplex, half duplex, full duplex, analog and digital signal, transmission media, network reference model and architecture (OSI and TCP/IP), networks types (LAN, MAN and WAN), network topologies, components of network.

Database Management System: Basics of data management systems, database models, relational algebra, relational calculus, normalization, and SQL.

Section –C (20% weightage)

Mathematics: General Mathematics up to CBSE XII standard.

Section –D (20% weightage)

Physics: General Physics up to CBSE XII standard.

MA in New Media Communications

- **News and Current Affairs**Burning issues, Fundamentals of Indian constitution, state and political affairs, sports, news related to economics and business, international affairs
- **Radio**History of radio, radio for agriculture, radio and green revolution, FM, radio programmes
- **Television & Film**History of Television, Landmark programmes of Indian Television, Who is Who in Indian television, Films in India, Film awards, popular Indian films, parallel cinema, legends of Indian films
- **Internet and Social Media**History of Internet, Internet in India, Social Media, Social Media and Freedom of Expression

MA (Social Work)

- **Sociological Concepts and Social Problems**

Society, Community, Groups – Definition, Types; Types of Society, Social Institutions, Groups and its Type

Social Problems: Poverty, Unemployment, Drug Addiction, Old Age & Destitution, Corruption, Domestic Violence, Displacement, Harassment & Abuse in workplace;

Communism, Secularism & Socialism

- **Social Change & Social Reform**Social Reform Movements

Social Reformers: Mahatma Gandhi, Vinoba Bhave, Ambedkar, Vivekanand, Raja Ram Mohan Roy, Mother Teresa, etc. and their contribution

Social Legislation – RTI, Domestic Violence, POSCO, and Legislation related to SC/ST, Juvenile Justice Act, Lokpal, Legal Aid & Public Interest Litigation.

Non-governmental Organizations

- **Indian Polity, Social Policy & Social Development**Constitution of India: Fundamental Rights, DPSP, Fundamental Duties; Constitutional provisions and safeguards for SCs, STs, OBCs, Women & Children; Panchayti Raj System;

Human Rights: Institutions, International Conventions

Social welfare and social development: Recent Policies and Programmes

Information Communication Technology

Health – Epidemiology, Communicable disease, Health Systems, Health Indicators

Community Development

- **Social Research**Basics of Research Methodology, Nature & Types of Research

Science & Scientific Method; Research Design, Sampling,

Techniques of Data Collection;

Basic Statistics : Mean, Median & Mode

M. Sc. MATHEMATICS

- **Mathematical Analysis:** Sequence and series of real numbers, Mean value theorem, Maxima and minima of functions of a single variable and several variables, Open and closed sets, limit points, completeness of R, Uniform Continuity and convergence, Power series, proper and improper integrals, Fundamental theorem of calculus, Gradient, divergence, curl and Laplacian, Green's, Stokes and Gauss theorems and their applications.
- **Ordinary and Partial Differential Equations:** First order ODEs, Initial value problems, Linear ODEs with constant and variable coefficients, Method of variation of parameters, first order linear PDEs and Lagrange method, Linear PDEs with constant and variable coefficients.
- **Complex Analysis:** Algebra of complex numbers, Analytic functions, Cauchy-Riemann equations, Contour integral, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, Liouville's theorem, Taylor series, Laurent series, singularities, calculus of residues, Conformal mappings.
- **Linear Algebra and Algebra:** Systems of linear equations. Matrices, rank, determinant, inverse. Eigenvalues and eigenvectors. Finite Dimensional Vector Spaces over Real and Complex Numbers, Basis, Dimension, Linear Transformations, Groups, subgroups and normal subgroups, Lagrange's Theorem for finite groups, group homomorphisms and basic concepts of quotient groups, rings, ideals, quotient rings and fields.

MBA (Tourism and Travel)

SECTION-A Himachal Pradesh as a Tourist Destination

- Geography of Himachal Pradesh, Climate, People, Language, Population.
- Important Fairs and Festivals, Performing Arts, Wildlife, Cuisine, Temples, Churches, Gurudwara, Monasteries, Adventure tourism places and important tourism Circuits of Himachal Pradesh

SECTION-B Tourism Product of India

- Heritage Tourism products of India: Forts, Palaces, other architectural marvels etc
- Religious Tourism Products of India: Temples, Mosques, Churches, Gurudwara etc
- Natural Tourism Resources in India: Landforms (mountains, deserts, beaches, coastal areas and Islands), Water bodies and biotic wealth (flora – fauna), wildlife etc

SECTION-C Indian Culture and Society

- Cultural Tourism Resources in India: Indian History, Traditions, Customs and costumes, cuisine. Music, Dance forms; painting, Craftsmanship etc.
- Contemporary tourism destinations for adventure tourism, eco-tourism, health tourism etc.

SECTION-D WorldTourism Destinations

- Major popular tourism destinations of the world

MSc Physics

SECTION-A

Mathematical methods

Infinite sequences and series - convergence and divergence, conditional and absolute convergence, ratio test for convergence.

Calculus of single and multiple variable, Partial derivatives, Jacobian, Imperfect and perfect differentials.Taylor Expansion.

Vector algebra, Vector Calculus, Multiple integrals, Divergence theorem, Green's theorems, Stokes' theorem, Orthogonal coordinate systems.

First order equations and linear second order differential equations with constant coefficients.

Linear vector spaces, linear independence, basis. Matrices and determinants, Hermitian adjoint and inverse of a matrix; Hermitian, orthogonal, and unitary matrices; Eigenvalue and eigenvectors.

Fourier expansion – statement of Dirichlet's condition, analysis of simple waveforms with Fourier series.

Probability distributions and error analysis.

Classical mechanics and general properties of matter

Newton's laws of motion and applications, Velocity and acceleration in Cartesian, Polar and cylindrical coordinate systems. Uniformly rotating frame, Centrifugal and Coriolis forces.

System of particles, Center of mass, Equation of motion of the CM, Conservation of linear and angular momentum, Conservation of energy, Variable mass systems

Motion under a central force, Kepler's laws, Gravitational Law and field, Conservative and non-conservative forces

Elastic and inelastic collisions.

Differential equation for simple harmonic oscillator and its general solution, Superposition of two or more simple harmonic oscillators, Lissajous figures, Damped and forced oscillators, resonance, Wave equation, travelling and standing waves in one dimension, Energy density and energy transmission in waves, Group velocity and phase velocity, Sound waves in media, Doppler Effect.

Rigid body motion, Euler angles, Fixed axis rotations. Moments of Inertia and products of Inertia,

Parallel and perpendicular axes theorem, Principal moments and axes.

Kinematics of moving fluids, Equation of continuity, Euler's equation, Bernoulli's theorem.

SECTION-B

Optics

Fermat's Principle, General theory of image formation,Thick lens,Thin lens and lens combinations.

Huygen's principle, Interference of light, Optical path retardation, interferometers.

Fraunhofer diffraction, Rayleigh criterion and resolving power, Diffraction gratings.

Linear, Circular and elliptic polarization, Double refraction and optical rotation.

Lasers, principle and working.

Electricity and magnetism

Electricity and Magnetism: Coulomb's law, Gauss's law, Electric field and potential

Electrostatic boundary conditions, Solution of Laplace's equation for simple cases.

Conductors, Capacitors, Dielectrics, Dielectric polarization

Volume and surface charges, energy stored in Electromagnetic field

Biot-Savart law, Ampere's law, Faraday's law of electromagnetic induction, Self and mutual inductance.

Alternating currents, Simple DC and AC circuits with R, L and C components.

Displacement current, Maxwell's equations and plane electromagnetic waves, Poynting's theorem.

Lorentz Force and motion of charged particles in electric and magnetic fields.

Reflection and refraction at a dielectric interface, Transmission and reflection coefficients.

SECTION-C

Modern Physics

Inertial frames and Galilean invariance, Postulates of special relativity, Lorentz transformations,

Length contraction, Time dilation, Relativistic velocity addition theorem, Mass energy equivalence.

Blackbody radiation, Planck's law, Rayleigh- Jeans and Wein's law, Photoelectric effect, Compton Effect.

Bohr's atomic model, Sommerfeld's correction, X-rays.

Wave-particle duality, Uncertainty principle.

Wave function and it's interpretation, wave packets, Dynamical variables as operators, measurement of observables, expectation values. Commutation relations between operators and compatibility, observables and simultaneous measurements, Ehrenfest's theorem.

Schrödinger equation and its solution for one, two and three dimensional boxes, Solution of Schrödinger equation for the one dimensional harmonic oscillator, Reflection and transmission at a step potential.

Nuclear and Particle Physics

General Properties of Nuclei, Nuclear Models: liquid drop model, condition of nuclear stability.

Experimental evidence for nuclear magic numbers, elementary accounts of nuclear shell model and its predictions, Radioactivity, qualitative account of the theory of alpha decay and beta decay,

Interaction of Nuclear Radiation with matter:

Energy loss due to ionization energy loss of electrons, Cerenkov radiation, Rutherford scattering, multiple coulomb scattering, passage of gamma- rays through matter. Compton scattering, pair production radiation loss by fast electrons, Radiation length and electron-gamma showers, position a annihilation, Relativistic Kinematics. Particles Accelerators and Detectors, classification of elementary particles, Types of interactions and its features, Mass spectra and major decays of elementary particle: leptons, mesons, baryons, Weak and electromagnetic Decays of Strange mesons and Hyperons. Classification of weak decays and selection rules.

SECTION-D

Atomic and Molecular Spectroscopy

Good quantum numbers and selection rules. Stern-Gerlach experiment, Fine structure.

Magnetic moment of the electron, Lande g factor. Vector model – space quantization. Zeeman effect. Explanation from vector atom model.

Pauli exclusion principle, shell structure. Hund's rule, spectroscopic terms of many electron atoms in the ground state, Spectra of alkali and alkaline earth atoms.

Rotational and vibrational spectra, Raman effect, Stokes and anti stokes lines, complimentary character of Raman and Infrared spectra, experimental arrangements for Raman spectroscopy.

Kinetic Theory of Gases and Thermodynamics

Elements of Kinetic theory of gases. Velocity distribution and Equipartition of energy. Specific heat of Mono-, di- and tri-atomic gases. Ideal gas, van-der-Waals gas and equation of state. Mean free path.

Laws of thermodynamics. Zeroth law and concept of thermal equilibrium. First law and its consequences. Isothermal and adiabatic processes. Reversible, irreversible and quasi-static processes. Second law and entropy. Carnot cycle. Maxwell's thermodynamic relations and simple applications. Thermodynamic potentials and their applications. Phase transitions and Clausius-Clapeyron equation.

Ideas of ensembles, Maxwell-Boltzmann, Fermi-Dirac and Bose-Einstein distributions.

Solid State Physics and Electronics

Basics of Crystal Structure: Lattice and basis, primitive and unit cell, Wigner Seitz cell, symmetry operations, lattice types, packing fraction, Miller indices, simple structures NaCl, diamond. Diffraction Methods: Bragg's Law, experimental arrangements, Laue equation,

reciprocal lattice, atomic scattering factor, geometrical structure factors. Crystal bonding: Potential between a pair of atoms, Lennard-Jones potential, Ionic, Covalent, Vander - Waal's, cohesive energy, Lattice Vibration, specific heat Einstein and Debye's models of specific heat. Free electron theory of metals, Band Theory of Metals: Kronig Penny model, Brillouin zones, electrons in periodic structure, energy bands, energy gaps, effective mass of electrons and holes, metals, insulators, semiconductors, Magnetism, Curie-Weiss law, Langevin theory, basics of superconductivity.

Junction Diodes, Transistors their characteristics and simple circuit designs: Thevnin's Theorem, Norton Theorem, Constant Voltage and current generator, idea of equivalent circuits, low frequency equivalent circuits, h-parameters, bias stability, thermal runaway. BJT, FET's and MOSFETS: Structure and working, FET amplifier. Oscillators: Tuned Collector, Hartley and Colpitts oscillators, phase shift oscillators. Operational Amplifier, inverting noninverting amplifier, OP-Amp as adder, subtractor, comparator, integrator and differentiator. Modulation and detection,

Digital electronics fundamentals, various number systems, Basic logic gates, de-Morgan's law

MSc Environmental Sciences

Section A : Law of Motion, Work, Energy and Power, Gravitation; Gas Laws, The First Law of Thermodynamics, Joule's Law, Specific Heats, Enthalpy, Adiabatic Processes; The Spectrum of Radiation, Blackbody Radiation, The Planck Function, Wien's Displacement Law, The Stefan–Boltzmann Law, Kirchhoff's Law, Beer's Law; Interaction of light with matter: Transmission, Absorption, Scattering; Beer-Lambert's Law; Atomic Absorption and Atomic Emission Spectra, X-Rays and Interaction of X-Rays with Matter. Single variable calculus: domain and range, maxima and minima, continuity, differentiability, integration; matrices and determinants; eigen values and eigenvectors; permutation and combination; ordinary differential equations with constant coefficients; analytic functions; groups and subgroups.

Section B : Microbes-diversity, structure and reproduction. General account of infection, Phytoimmunology; Microbiology-Role in agriculture, industry, medicine and pollution combatment; Important plant diseases caused by viruses, bacteria, fungi and nematodes; Cryptogams and Gymnosperms-classification, distribution, diversity, structure and reproduction from evolutonary view point; Angiosperms- Systematics, anatomy, embryology, palynology and phylogeny; various systems of Classiification; Non-chordata and chordates- General characters, nutrition, locomotion, reproduction of Protozoa, Coelenterata, Platyhelminthes, Nemathelminthes, Annelida, Arthropoda, Mollusca, and Echinodermata, comparative study of Pisces, Amphibia, Reptilia and Mammalia; Cell and Molecular Biology-Techniques of Cell Biology, Prokaryotic and eukaryotic cells, Linkage and crossing over–methods of gene mapping including molecular maps; sex determination and molecular basis of sex differentiation, Mutations; Organic evolution; Ecology- Ecosystem structure and function of ecosystem, food chains, food webs and ecological succession; Ecological factors, Concepts and dynamics of community, Plant succession, Concepts of biosphere, Ecosystems and their conservation, Pollution, afforestation, deforestation and social forestry, Endangered plants, endemism and Red Data Books, Biodiversity- Convention of Biological Diversity and Conservation, Sovereign Rights and Intellectual Property Rights, Biogeochemical cyeles.

Section C : Element and periodicity, reaction mechanism, ionic, covalent and complex compounds , alkane, alkene , alkyne and aromatic compounds. Heterocyclic compounds, Homolytic and heterolytic fission , chemical kinetics.

Environmental studies its scope and importance; Concept of sustainability and sustainable development. Natural Resources Renewable and Non-renewable Resources and its conservation; Environmental Pollution; Environmental Legislations - national and international ; Current environmental Issues- Climate change, global warming, ozone layer depletion, acid rain and impacts on human communities and agriculture.

Section D : Modern theories on the origin of the Earth; Internal structure of Earth; Theory of Plate tectonics and its implications in understanding mountain building and sea floor spreading processes; Folds and Faults; Natural hazards; Introduction to rocks and minerals. Different types of rocks and their characteristics; Rock-forming minerals; weathering and erosion of rocks and minerals; Geological Time Scale and associated geological events; Biogeochemical cycle; Physical work of river, wind, glacier, sea and lake; basic hydrology; engineering geology; environmental geology.

MBA

Section A: Data Analysis and Numerical Aptitude:

- Data analysis and interpretation based on text, graphs and tables,
- Time, Speed, Distance, Ratios and Proportions
- Profit & Loss, Simple and Compound Interest
- Elementary Statistics

Section B: Business Awareness:

- Indian Business Environment
- legends of business and business corporate
- Current issues in business
- Famous award and prizes in Business
- International institutions
- Brand, Trademarks and advertisements

Section C: Business Communication:

- Business writing
- Business Vocabulary
- Pronouns and misplaced modifiers
- Sentence Completion
- Synonyms and Antonyms

Section D: General Knowledge:

- National Statistics
- Economic Geography
- Famous Books and Authors
- Sports
- Current Affairs

Master of Library and Information Science

SECTION-A

Types of library systems

- Role of libraries in the contemporary society
- National libraries features, functions & activities
- Academic libraries features, functions & activities
- Special libraries features, functions & activities
- Public libraries features, functions & activities

SECTION- B

Knowledge, Information and Data;Types of societies

- Data types
- Primary, secondary and tertiary information
- Types of knowledge
- Agricultural society, industrial society
- Knowledge society

SECTION-C

Information sources

- Difference between ordinary book and reference book
- Difference between Journal and Magazine
- Difference between indexing service and abstracting service
- Difference between handbook and directory
- Difference between thesis and dissertation
- Difference between patent and standard

SECTION-D

Computer Fundamentals

- Computer Organisation
- Generations of Computers
- Classification of computers
- Computer memory: RAM, ROM
- Secondary Storage: Characteristics of Hard disk and CD-ROM, DVDs, Blue-ray Disks
- Printers and Scanners;Types and characteristics
- Types of software.

MA Sociology

SECTION-A

Introduction to Sociology, Human Society, Culture, and Socialization: Definition, Nature, Relationship of Sociology with other Social Sciences, Human Society, Social Groups, Association, Community, Caste and Social Stratification, Culture and Civilization, Cultural Lag, Conceptual Understanding of Acculturation, Assimilation and Socialization.

SECTION-B

Social Structure and Change: Status and Role, Social Change: Types of Social Change: Evolution (Comte), Revolution (Marx). Processes of Social Change: Sanskritization, Westernization, Modernization, Secularization and Globalization.

SECTION-C

Rural and Urban Society: Family, Marriage, Kinship, Cultural Change, Economy and Polity (Village Panchayat). Urban Society: Concepts of Urbanization and Urbanism, Urban family, Voluntary associations, Slums, Crime, Pluralism and Cultural diversity, Industrialization, population growth and Social Change.

SECTION-D

Sociology of Underprivileged: Women, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Disabled, Minorities. Gender inequality, Aging, Racial and Ethnic Inequality

M.A. Education

Section A

1. Co-operative nature
2. Wide interest and Scholarly taste
3. Moral character & discipline
4. Leadership quality
5. Empathy with the needs of problems of children

Section B Indian Society

1. Social process: social stratification, social change, social mobility
2. Society and culture: cultural change, cultural lag, acculturation
3. Social problem: Social injustice and inequality, poverty, crime against women, child labour, drug abuse

Contemporary Indian education system

1. Education in independent India: Provisions for education in Indian constitution, Structure of Indian education system: from Primary to higher education
2. Efforts for free and compulsory education: from Sarva Shiksha Abhiyan to Right to Education

Section C Human development and learning

1. Thinking, Reasoning and problem
2. Learning processes
3. Human development

Section D

1. Caste and Class:The Education of marginalized
2. Gender:The Girl Child and Schooling
3. Education of/for minorities
4. Language, Politics and Culture: Mainstream and alternatives

Online Application

A candidate can **apply online** by clicking on the link given at the **University Website** (www.cuhimachal.ac.in). Applicants are advised to read carefully all instructions given therein. Requisite application fee can be made through any of the following mode:

- **Debit Card** of any bank (Visa/Master Card/Maestro)
- All major **Credit Cards**
- **Post Office Challans** (Challan may be submitted to the nearest Post Office after filling the details)

Last Date to apply online is **06th June, 2016.**

माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री महोदया से तृतीय दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करते पीएच.डी. शोधार्थी

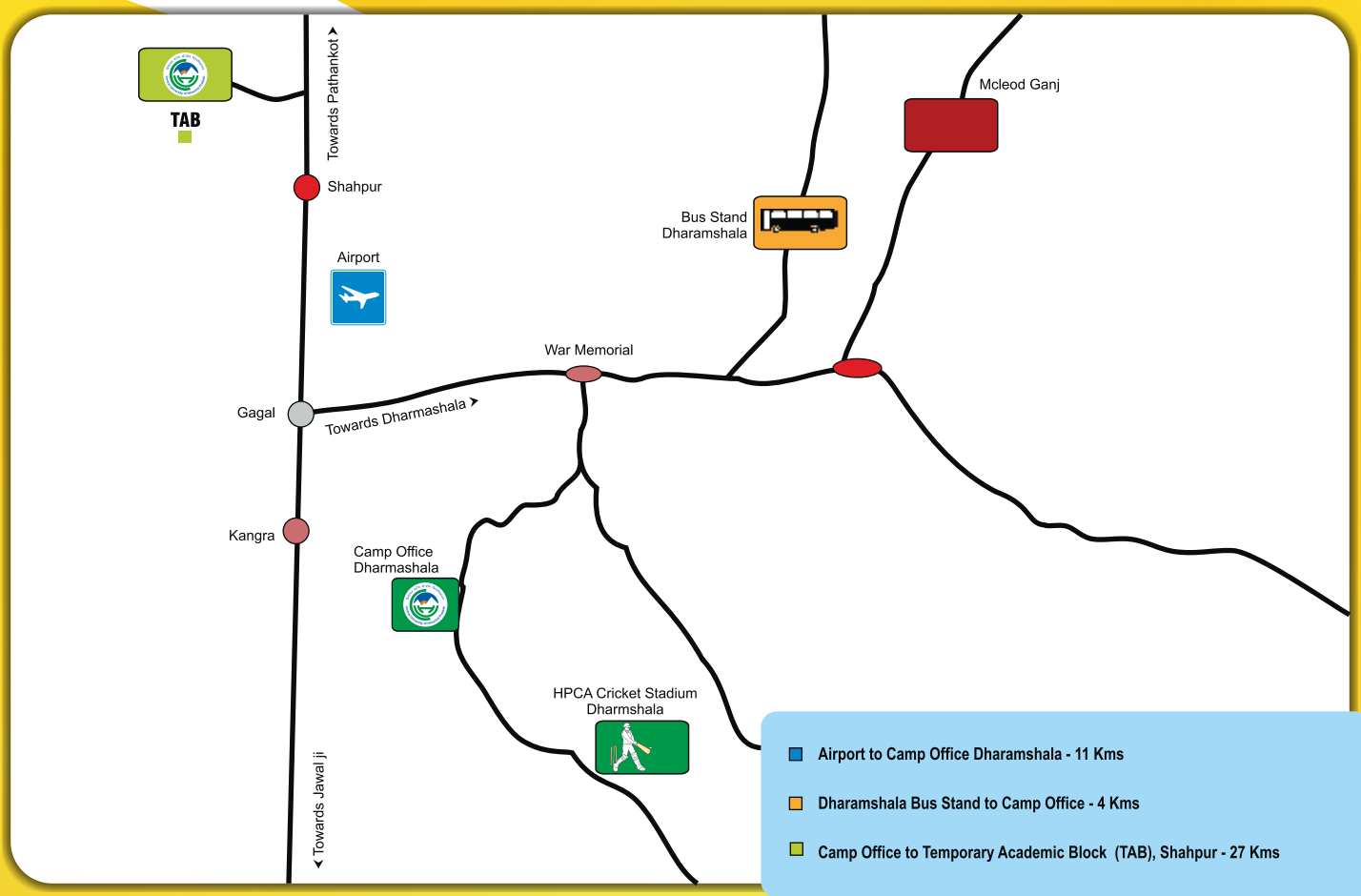

The Admission Helpline No: +91(1892) 237285 -89 Ext. 301, 201, 303
Office: +91(1892) 229330, 237285-88; Fax: +91(1892) 229331, 237286
Email: askus.cuhimachal@gmail.com,
Anti-Ragging Toll Free no. : 1800-180-5522
SMS Service No. 9459100100
Police Station No. : 01892-238021
Mobile no. of Chairman, Anti Ragging Squad & Proctor : Dr. Roshan Lal Sharma - 8626825108, 9418013739
The Central University of Himachal Pradesh pursues a policy of zero tolerance towards Ragging and Sexual Harassment.

WARNING REGARDING ANTI-RAGGING

The University has zero tolerance for Ragging in this University and fully complies with the guidelines given by Hon'ble Supreme Court of India as notified by the UGC in "UGC Regulation on curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009" [Under Section 26(1)(g) of The UGC Act, 1956] published in the Gazette of India, (Part-III-Sec 4, July 4, 2009).

DISCLAIMER : The information given in this Prospectus pertains only to the Programmes of Study offered by the Central University of Himachal Pradesh during the Academic Session 2016-17 and are subject to the Act, Statutes, Ordinances and Regulations of the University. The information contained in this Prospectus is only indicative and must not be used for legal purposes.